Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

हिन्दी दैनिक

मंत्र भारत

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 269
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

लखनऊ-सोमवार,26 जनवरी 2026

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 गणतंत्र दिवस पर आज यूपी के 90 पुलिसकर्मी | 4 प्रजातंत्र को वास्तविक गणतंत्र में बदलने की जरूरत | 5 आरजे महवश को अनफॉलो करने के बाद नई

राष्ट्रपति का गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संबोधन

नई दिल्ली: प्यारे देशवासियो, नमस्कार! चौहत्तरवें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर, देश और विदेश में रहने वाले आप सभी भारत के लोगों को, मैं हार्दिक बधाई देती हूं। संविधान के लागू होने के दिन से लेकर आज तक हमारी यात्रा अद्भुत रही है और इससे कई अन्य देशों को प्रेरणा मिली है। प्रत्येक नागरिक को भारत की गौरव-गाथा पर गर्व का अनुभव होता है। जब हम गणतंत्र दिवस मनाते हैं, तब एक राष्ट्र के रूप में हमने मिल-जुल कर जो उपलब्धियां प्राप्त की हैं, उनका हम उत्सव मनाते हैं। भारत, विश्व की सबसे पुरानी जीवंत सभ्यताओं में से एक है। भारत को लोकतन्त्र की जननी कहा जाता है। फिर भी, हमारा आधुनिक गणतंत्र युवा है। स्वतंत्रता के प्रारंभिक वर्षों में, हमें अनगिनत चुनौतियों और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। लंबे विदेशी शासन के अनेक बुरे परिणामों में से दो कुप्रभाव थे - भयंकर गरीबी और निरक्षरता। फिर भी, भारत अविचलित रहा। आशा और विश्वास के साथ, हमने मानव जाति के इतिहास में एक अनूठा प्रयोग शुरू किया। इतनी

बड़ी संख्या में इतनीविविधताओं से भरा जन-समुदाय - एक लोकतंत्र के रूप में एकजुट नहीं हुआ था। ऐसा हमने इस विश्वास के साथ किया कि हम सब एक ही हैं, और हम सभी भारतीय हैं। इतने सारे पंथों और इतनी सारी भाषाओं ने हमें विभाजित नहीं किया है बल्कि हमें जोड़ा है।इसलिए हम एक लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में सफल हुए हैं। यही भारत का सार-तत्व है। यह सार-तत्व, संविधान के केंद्र में रहा है और समय की कसौटी पर खरा उतरा है। स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों के अनुरूप हमारे गणतंत्र को आधार देने वाला संविधान बना। महात्मा गांधी के नेतृत्व में, राष्ट्रीय आंदोलन का उद्देश्य स्वतंत्रता प्राप्त करना भी था और भारतीय आदर्शों को फिर से स्थापित करना भी था। उन दशकों के संघर्ष और बलिदान ने, हमें न केवल विदेशी शासन से बल्कि थोपे गए मूल्यों और संकीर्ण विश्व-दृष्टिकोण से भी आजादी दिलाने में मदद की। शांति, बंधुता और समानता के हमारे सदियों पुराने मूल्यों को फिर से अपनानेमें क्रांतिकारियों और सुधारकों ने दूरदर्शी और आदर्शवादी विभूतियों के साथ मिलकर काम किया। जिन लोगों ने आधुनिक भारतीय चिन्तनधारा को प्रवाह दिया, उन्होंने ₹आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतःह्व अर्थात - हमारे पास सभी दिशाओं से अच्छे विचार आएं - के वैदिक उपदेश के अनुसार प्रगतिशील विचारों का भी स्वागत किया। लंबे और गहन विचार मंथन के परिणामस्वरूप हमारे संविधान की संरचना हुई। हमारा यह बुनियादी दस्तावेज, दुनिया की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता के मानवतावादी दर्शन के साथ-साथ आधुनिक विचारों से भी प्रेरित है। हमारा देश, बाबासाहब भीमराव आम्बेडकर का सदैव ऋणी रहेगा, जिन्होंने प्रारूप समिति की अध्यक्षता की और संविधान को अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज के दिन हमें संविधान का प्रारंभिक मसौदा तैयार करने वाले विधिवेत्ता श्री बी.एन. राव तथा अन्य विशेषज्ञों और अधिकारियों को भी स्मरण करना चाहिए जिन्होंने संविधान निर्माण में सहायता की थी। हमें इस बात का गर्व है कि उस संविधान सभा के सदस्यों ने भारत के सभी क्षेत्रों और समुदायों का प्रतिनिधित्व किया। संविधान निर्माण में सभा की 15 महिला सदस्यों ने भी योगदान दिया। संविधान में निहित आदर्शों ने निरंतर हमारे गणतंत्र को राह दिखाई है। इस अवधि के दौरान, भारत एक गरीब और निरक्षर राष्ट्र की स्थिति से आगे बढ़ते हुए विश्व-मंच पर एक आत्मविश्वास से भरे राष्ट्र का स्थान ले चुका है।

भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार ब्रज भूमि पहुंचे नितिन नबीन

सीएम योगी संग विधायक के घर पहुंच जताया शोक

मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार को बांके बिहारी की चौखट पर हाजिरी लगाई। दोनों नेताओं ने आराध्य के चरणों में शीश झुकाकर विधि-विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नितिन नबीन ने ठाकुर जी के समक्ष दीपक प्रज्ज्वलित किया और पुष्प अर्पित किए। इस दौरान सीएम योगी ने ठाकुर जी से प्रदेश की सुख-समृद्धि और 'विकसित भारत' के संकल्प की सिद्धि के लिए प्रार्थना की। दर्शन के बाद मंदिर सेवायतों द्वारा उन्हें प्रसाद भेंट किया गया। भाजपा अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के बाद पहली बार उत्तर प्रदेश की धरा 'ब्रज भूमि' पर पहुंचे नितिन नबीन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संग आध्यात्मिक व राजनीतिक कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम भी साथ रहे। सीएम योगी के साथ कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, विधायक श्रीकांत शर्मा, मेघश्याम सिंह, राजेश चौधरी, पूरन प्रकाश, विधान परिषद सदस्य अशोक कटारिया, ओमप्रकाश सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, जिलाध्यक्ष निर्मल पांडेय आदि ने भी बांके बिहारी के दर्शन कर पूजा अर्चना की।विधायक के घर पहुंच मुख्यमंत्री व भाजपा अध्यक्ष ने जताया शोक बांके बिहारी मंदिर में दर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन मांट विधायक राजेश चौधरी के आवास पहुंचे।

बीमारू यूपी अब भारत की आर्थिक ताकत, पीएम मोदी की प्रेरणा से बदली तस्वीरः योगी

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य की छवि को पीछे छोड़ते हुए आज भारत की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत संबल बन रहा है। मथुरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का उत्तर प्रदेश के पहले दौरे पर हार्दिक स्वागत किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि नितिन नवीन का (पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद) पहला दौरा योगेश्वर श्रीकृष्ण की पवित्र भूमि मथुरा में हुआ है। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश की जनता और राज्यभर के भाजपा कार्यकताओं की ओर से मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष का हार्दिक स्वागत करता हूं और उन्हें बधाई देता हूं। मुख्यमंत्री ने नितिन नवीन को युवा ऊर्जा और संगठनात्मक शक्ति का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि

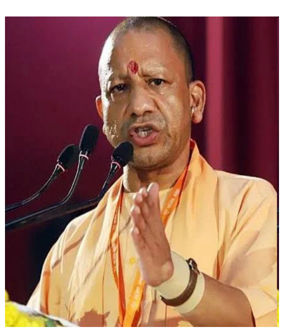

बिहार के पाटलिपुत्र से पांच बार विधायक रह चुके नवीन ने भाजपा में विभिन्न संगठनात्मक दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ किया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मथुरा और इसके आसपास के क्षेत्र-वृंदावन, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन, नंदगांव और बलदेव सदियों से सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए प्रेरणा के केंद्र रहे हैं। उन्होंने कहा, ष्इस भूमि का हर कण श्रीकृष्ण और राधा रानी की आध्यात्मिक विरासत को अपने भीतर समेटे हुए है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह जिला भाजपा के विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मभूमि होने के कारण भी विशेष महत्व रखता है। डबल इंजन सरकार के तहत हुए विकास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बन गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, सरकार ने प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित की है और बिना किसी भेदभाव के कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया है, जिससे किसान, युवा, महिलाएं और गरीब समान रूप से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए गांवों से लेकर शहरों तक विकास कार्य प्रभावी ढंग से किए जा रहे हैं।

राजद में नई कमान, तेजस्वी यादव बने कार्यकारी अध्यक्ष

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद के छोटे बेटे तेजस्वी यादव को रविवार को यहां हुई पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। हाल में हुए विधानसभा चुनाव में राजद की करारी हार हुई थी, जिसमें 'महागठबंधन' ने 36 वर्षीय नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में खड़ा करके चुनाव लड़ा था। राजद ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह निर्णय पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया, जिसमें यादव, प्रसाद और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यादव की सबसे बड़ी बहन एवं पाटलिपुत्र से सांसद मीसा भारती भी बैठक में मौजूद थीं। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी वर्तमान में बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं। शनिवार को वह पार्टी में अपना राजनीतिक कद बढ़ने को लेकर आश्वस्त दिखे थे, क्योंकि उन्होंने राजद कार्यालय में कार्यकताओं से कहा था कि वह बूथ स्तर से पार्टी संरचना में बदलाव करने के बारे में सोच रहे हैं।

आप ने निकाला तिरंगा यात्रा,हाथों में संविधान-तिरंगा लेकर निकले नेता

लखनऊ,। राजधानी में आम आदमी पार्टी का संविधान बचाओ तिरंगा यात्रा। छोटे इमामबाड़े से रूमी गेट तक हाथों में तिरंगा और संविधान कि प्रति लेकर यात्रा निकाली गई। इस यात्रा का आम आदमी पार्टी कि नेता इरम रिजवी ने नेतृत्व किया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा झंडा लेकर हिंदुस्तान जिंदाबाद ,भाईचारा जिंदाबाद के नारे लगाते हुए निकले। तिरंगा यात्रा में ऐ मेरे वतन के लोगों, संदेश आते हैं, ये जो देश है तेरा, ऐ वतन, तेरी मिट्टी, सारे जहाँ से अच्छा जैसे देश भक्ति गीत गाते हुए लोग निकले। तिरंगा यात्रा में निकलने वाले लोगों ने देश भक्ति और गंगा जमुनी तहजीब का संदेश दिया। जिला अध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि 26 जनवरी को हम गणतंत्र दिवस मनाते हैं यह हमारा राष्ट्रीय पर्व है। सभी लोगों को अपने घरों पर तिरंगा लगाना चाहिए और पूरे हर्षोल्लाह के साथ इस पर्व को मनाना चाहिए। जिस तरह दूसरे त्योहारों में लोग अपने घरों को सजाते हैं मिठाई बांटते हैं वैसे ही इसमें भी करना चाहिए। इरम ने कहा कि आज देश में जगह-जगह नफरत फैलाई जा रही है। सांप्रदायिकता का माहौल बनाया जा रहा है। आम आदमी पार्टी ऐसे नाजुक समय में देश को एकता के सूत्र में बांधना चाहती है। हिंदू-मुस्लिम सिख-इसाई आपस में भाई-भाई यह सिर्फ नारा नहीं है बल्कि हमें एकता के धागे में पिरोने का मंत्र है। सभी देशवासियों को आपस में मिलजुल कर रहना चाहिए और देश हित की भावना से काम करना चाहिए। हमें यह हमेशा सोचना चाहिए किस प्रकार हम अपने राष्ट्र को तरक्की के मार्ग पर ले जा सकते हैं।

आवकाश

गणतंत्र दिवस शुभ अवसर पर प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा।

– व्सवस्थापक

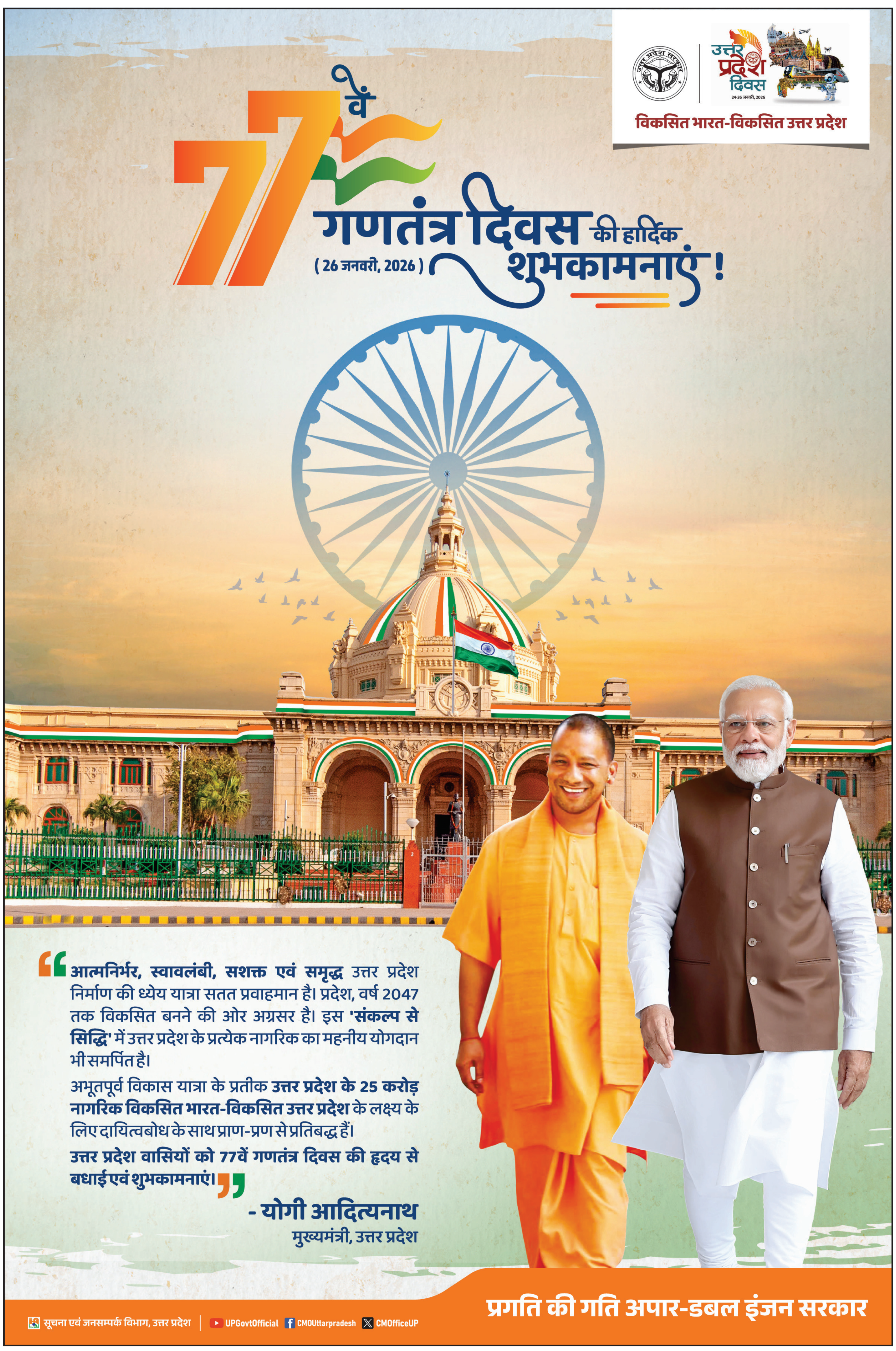

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुये महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर

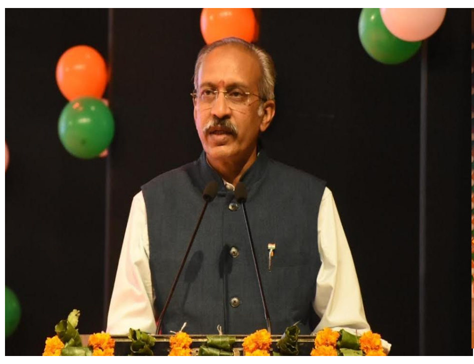

गोरखपुर,: गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रेलवे प्रेक्षागृह, गोरखपुर में 25 जनवरी, 2026 को पूर्वोत्तर रेलवे कला समिति के तत्त्वावधान में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ मुख्य अतिथि महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन (नरवो) की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा बोरवणकर, संगठन की पदाधिकारी एवं सदस्यायें, प्रमुख विभागाध्यक्ष तथा वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के आरम्भ में पूर्वोत्तर रेलवे कला समिति के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति पर आधारित समूह गीत भारती जय विजय करें एवं मेरे देश की हवायें ये हमसे कहती हैं से हुआ। कला समिति द्वारा देशभक्ति पर एकल गीत जय माँ भारती प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात कला समिति द्वारा ही समूह कत्थक नृत्य एवं राम स्तुति- भजमन रामचरण सुखदाई सराहनीय रही। एन.ई. रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल की छात्राओं द्वारा मनोहारी समूह नृत्यआरम्भ है प्रचंड की प्रस्तुति जोश जगा गई। एन.ई. रेलवे सीनियर सेकेंड्री स्कूल की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नृत्य माटी को माँ कहते हैं तथा एन.ई. रेलवे बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत समूह नृत्य जीते हैं चल एवं वंदे मातरम् ने सराहना बटोरी। कला समिति तथा पूर्वोत्तर रेलवे भारत स्काउट एवं गाइड द्वारा देशप्रेम पर आधारित लघु नाटक बढ़ते कदम एवं सरजमीने हिंदुस्तान की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर ने 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर सभी को हार्दिक बधाई देते हुये कहा कि राष्ट्र कल अपना 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। यह, वह पवित्र व गरिमापूर्ण दिन है जब देश ने अपना संविधान पूर्णरूपेण लागू किया और सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न राष्ट्र बन गया। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने की जिम्मेदारी हम सबकी है। भारतीय रेल हम सबमें बन्धुत्व कराती है। श्री बोरवणकर ने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे हर क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छू रही है। पूर्वोत्तर रेलवे पर बहुत अच्छी प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा कि हम सभी को चाहिये कि कर्मचारियों की गरिमा की तरफ विशेष ध्यान दें। महाप्रबन्धक ने आशा व्यक्त की कि प्रत्येक क्षेत्र में आगे और प्रगति देखने को मिलेगी तथा हम नये-नये कीर्तिमान हासिल करते रहेंगे। श्री बोरवणकर ने कहा कि इस महान दिवस की याद एवं अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले स्वाधीनता सेनानियों को समर्पित आज का यह कार्यक्रम अत्यन्त हृदयस्पर्शी एवं मनोहारी रहा। उन्होंने इस कार्यक्रम के सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों को धन्यवाद दिया। महाप्रबन्धक ने कला समिति के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीत की सराहना करते हुये कहा कि कला समिति द्वारा प्रस्तुत नाटक अपने राष्ट्र व कर्तव्य के प्रति सर्वोत्कृष्ट समर्पण को दशार्ता है। पूर्वोत्तर रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, एन.ई. रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल, एन.ई. रेलवे सीनियर सेकेंड्री स्कूल तथा एन.ई. रेलवे बालिका इंटर कॉलेज के बच्चों द्वारा पूरे मनोयोग से दी गई प्रस्तुति की जितनी सराहना की जाये, वह कम है। मैं सभी के उज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। महाप्रबन्धक ने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह कार्यक्रम आपको भरपूर मनोरंजन प्रदान करने तथा देश के प्रति हमारे कर्तव्यों को याद दिलाने में सफल रहा है। उन्होंने सभी को गणतंत्र दिवस की ढेर सारी शुभकामनायें दीं। स्वागत सम्बोधन प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री मनोज कुमार ने तथा अध्यक्ष, रेलवे भर्ती सेल (आर.आर.सी.) श्री राजेश कुमार गुप्ता ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह का संचालन श्रीमती रचना श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में वरिष्ठ रेल अधिकारी एवं कर्मचारी, छात्र-छात्रायें तथा अभिभावक उपस्थित थे।

राष्ट्रपति पदक से सम्मानित आरपीएफ/आरपीएसएफ कर्मी दक्षिण मध्य रेलवे की महानिरीक्षक सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया

गोरखपुर: गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर, भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) और रेल सुरक्षा विशेष बल (आरपीएसएफ) के अधिकारियों और कर्मियों को उनकी समर्पित सेवा, व्यावसायिकता और रेल सुरक्षा में अनुकरणीय योगदान के सम्मान में राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक (पीएसएम) और मेधावी सेवा पदक (एमएसएम) से सम्मानित किया है। राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर, महानिरीक्षक, दक्षिण मध्य रेलवे उल्लेखनीय सेवा पदक श्री उत्तम कुमार बंद्योपाध्याय, सहायक सुरक्षा आयुक्त, दक्षिण मध्य रेलवे श्री कल्याण देओरी, सहायक कमांडेंट, रेलवे सुरक्षा विशेष बल श्री बलवान सिंह, निरीक्षक, उत्तरी रेलवे श्री प्रफुल चंद्र पांडा, निरीक्षक, पूर्वी तट रेलवे श्री प्रकाश चरण दास, निरीक्षक, पूर्वी तट रेलवे श्री मुकेश कुमार सोम, निरीक्षक, रेलवे सुरक्षा विशेष बल श्री पप्पला श्रीनिवास राव, उप निरीक्षक, पूर्वी तट रेलवे श्री अनवर हुसैन, उप निरीक्षक, पश्चिमी रेलवे श्री श्रीनिवास रावुला, उप निरीक्षक, दक्षिण मध्य रेलवे श्री शिव लहरी मीना, सब इंस्पेक्टर, रेलवे सुरक्षा विशेष बल श्री दिक्कला वेंकट मुरली कृष्णा, सहायक सब इंस्पेक्टर, पूर्वी तट रेलवे श्री संजीव कुमार, सहायक सब इंस्पेक्टर, उत्तरी रेलवे श्री महेश्वर रेड्डी करनाती, हेड इयाया भारती, हेड कांस्टेबल, दक्षिणी रेलवे श्री मोहम्मद रफीक, कांस्टेबल/धोबी, रेलवे सुरक्षा विशेष बल पीएसएम विशेष सेवा के लिए दिया जाता है, जबकि एमएसएम कर्तव्यनिष्ठा और सूझबूझ से भरी बहुमूल्य सेवा के लिए दिया जाता है। ये पुरस्कार वर्ष में दो बार, गणतंत्र दिवस (आरडी) और स्वतंत्रता दिवस (आईडी) पर दिए जाते हैं, ताकि आरपीएफ/आरपीएसएफ कर्मियों को भारतीय रेलवे की सुरक्षा में उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जा सके।

पूर्वोत्तर रेलवे भारत स्काउट एवं गाइड द्वारा मार्च पास्ट प्रस्तुत किया जायेगा

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी, 2026 को सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में आयोजित एक समारोह में महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर प्रातः 09.00 बजे ध्वजारोहण करेंगे। इस अवसर पर रेलवे सुरक्षा बल, नागरिक सुरक्षा संगठन, रेलवे विद्यालयों के छात्र-छात्राओं तथा पूर्वोत्तर रेलवे भारत स्काउट एवं गाइड द्वारा मार्च पास्ट प्रस्तुत किया जायेगा। कार्यक्रम लाइव प्रसारण पूर्वोत्तर रेलवे के यूट्यूब चैनल @ल्ली१ै'६ॅ८ॅ'स्र के माध्यम से किया जायेगा, जिसका लिंक पूर्वोत्तर रेलवे के अधिकारिक फेसबुक पेज ठ.ए.फ्रं६८ तथा एक्स हैंडल @ल्ली१ै'६ॅ८ॅ'स्र पर उपलब्ध रहेगा।

मिट्टी का टीला धंसने से दो लड़कियों समेत तीन की मौत यूपी एमपी सीमा पर दर्दनाक हादसा दो की हालत गंभीर

सोनभद्र। सोनभद्र में हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय थाने की पुलिस भी पहुंच गई। बचाव कार्य के बाद कुल पांच लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया। इसमें तीन लोगों की मौत हो चुकी थी। दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। शक्तिनगर सीमा से सटे मप्र के सिंगरौली जिले में रविवार को बड़ा हादसा हुआ। छुई मिट्टी का टीला धंसने से दो लड़कियों समेत तीन की मौत हो गई। दो महिलाएं घायल हुई हैं। उन्हें रेस्क्यू के बाद नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। सभी मकान की पोतई के लिए छुई (पोतने वाली मिट्टी) निकाल रही थीं। सिंगरौली में जियावान थाना क्षेत्र के परसोहर गांव की महिलाएं व बालिकाएं खुरपी लेकर छुई निकालने गई थीं। इसी दौरान मिट्टी का बड़ा हिस्सा धंस गया। सभी लोग उसके नीचे दब गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों, सरपंच परसोहर एवं पुलिस की तत्परता से तुरंत राहत कार्य शुरू किया गया। परिजनों में मचा कोहराम मिट्टी में दबे लोगों को बाहर निकाला गया, जिसमें दो महिलाएं बेहोशी की हालत में मिलीं, जबकि दो बालिकाओं और एक महिला की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही चौकी कुंदवार व थाना जियावन पुलिस मौके पर पहुंची। जेसीबी मशीन से मलबा हटाकर सभी को बाहर निकाला गया। हादसे में ग्राम हरहवा निवासी प्रीति सिंह (10), बसंती (16) और बंधा गांव निवासी फूलमती यादव (50) की मौत हुई। घायल कौशल्या सिंह (50) निवासी ग्राम परसोहर और सकमुनि सिंह (45) निवासी चंद्रेह का अस्पताल में उपचार जारी है। फिलहाल स्थिति सामान्य है। पुलिस ने शव पंचनामा की कार्रवाई कर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मिट्टी का टीला धंसने दो लड़कियों समेत तीन की मौत हुई है। दो महिलाएं घायल हैं, जिनका उपचार चल रहा है। घटना की सभी पहलुओं पर छानबीन की जा रही है। -गायत्री त्रिपाठी, एसडीओपी, देवसर।

पूर्वोत्तर रेलवे पर 138.57 किमी. ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग कमीशन

गोरखपुर, 25 जनवरी, 2026: संरक्षित, सुरक्षित एवं यात्रियों के मांग के अनुरूप ट्रेनों का सुगम परिचालन हेतु भारतीय रेल पर इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास, विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के कार्य के साथ रेल संरक्षा कार्य प्रगति पर है। महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर के कुशल मार्गदर्शन में पूर्वोत्तर रेलवे पर भी इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास एवं विस्तार के साथ ही ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के गोरखपुर-गोंडा रेल खंड पर स्थित बभनान-परसा तिवारी-स्वामी नारायण छपिया स्टेशनों के मध्य 12 किमी. की ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग की कमीशनिंग का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह कार्य बहुत ही सुगम तरीके से बिना ट्रेन परिचालन को प्रभावित किये सम्पन्न किया गया। इसके साथ ही, पूर्वोत्तर रेलवे पर अब तक 138.57 रूट किलोमीटर ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है, जो इस रेलवे के लिये विशेष उपलब्धि है। वर्ष 2025-26 में इस रेलवे पर गोविन्दनगर-टिनिच-गौर-बभनान (24.64 किमी.) तथा बभनान-स्वामी नारायण छपिया (12 किमी.) खंडों सहित कुल 36.64 किमी. ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य पूर्ण किया गया। बभनान-स्वामी नारायण छपिया खंड के ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य पूर्ण होने से अधिक ट्रेनों का संचलन सम्भव होगा तथा लाइन क्षमता में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त ट्रेनों के समय-पालन में सुधार के साथ ही संरक्षा सुनिश्चित होगी। प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री एम.एल. मकवाना के कुशल नेतृत्व में उनकी टीम ने इस ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग की कमीशनिंग कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विदित है कि पूर्वोत्तर रेलवे पर ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग प्रणाली की शुरूआत गत वित्त वर्ष 2024-25 के आरम्भ में जगतबेला-मगहर (14.65 किमी.) खंड के कमीशनिंग के साथ हुई थी। ऑटोमेटिक खंडों पर ट्रेनें सुगमतापूर्वक एवं संरक्षित तरीके से चल रही हैं।

सोशल मीडिया की दोस्ती पड़ी भरी युवक ने नाबालिग से किया दुष्कर्म मौसी के घर छोड़ने का दिया था झांसा

कानपुर। सचेंडी थाना क्षेत्र में एक युवक ने सोशल मीडिया पर दोस्त बनी नाबालिग किशोरी को मौसी के घर छोड़ने के बहाने सुनसान जगह ले जाकर दुष्कर्म किया। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। कानपुर के सचेंडी थाना क्षेत्र में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म का मामला अभी शांत भी नहीं हो पाया। एक दूसरा दुष्कर्म का मामला सामने आ गया। युवक ने नाबालिग से सोशल मीडिया पर दोस्ती की। मौसी के घर छोड़ने का झांसा देकर सुनसान जगह ले जाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पीड़िता की तहरीर पर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पनकी के रतनपुर क्षेत्र की रहने वाली 16 साल की किशोरी अपनी मां के साथ रहती है। कुछ साल पहले पिता की मौत हो चुकी है। करीब एक माह पहले सचेंडी के भगवंतपुर निवासी विशाल कमल से उसकी दोस्ती हुई थी। इसके बाद फोन पर दोनों की बातचीत होने लगी। सुनसान जगह पर दुष्कर्म किया भरोसे में आकर शनिवार दोपहर करीब तीन बजे के करीब किशोरी ने विशाल से सचेंडी के एक गांव निवासी मौसी के घर जाने की बात कही, तो युवक ने उसे छोड़ने का झांसा दिया। इसके बाद वह उसे साइकिल से बिठाकर मौसी के घर ले जा रहा था। तभी किसान नगर के आगे निमार्णाधीन बिल्डिंग के पास सुनसान जगह पर युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। युवक की तलाश में जुटी पुलिस इसके बाद मौके से भाग निकला। पीड़ित किशोरी ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। रिपोर्ट दर्ज कर सचेंडी पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। सचेंडी इंस्पेक्टर दीनानाथ मिश्रा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर युवक की तलाश की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तारी कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

वाराणसी में सपा नेता से बोली पुलिस धकेलकर घर में भेजा मणिकर्णिका जाने वाले थे

वाराणसी। वाराणसी का महाश्मशान यानी मणिकर्णिका घाट को लेकर सियासत तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के सांसद वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में कार्यकताओं ने जगह-जगह प्रदर्शन किया। कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। वाराणसी में कोतवाली क्षेत्र के नक्कास में समाजवादी पार्टी के नेता लालू यादव को पुलिस ने घर में ही नजरबंद कर दिया। इसके पहले रविवार की सुबह पुलिस ने सपा नेता को घर में धकेलने के लिए हल्का बल प्रयोग किया। करीब 10 मिनट की धक्कामुक्की के बाद सपा नेता को घर में भेज दिया गया। बता दें कि मणिकर्णिका घाट पर चल रहे विवाद को लेकर आज समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता अपने वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के साथ घाट पर जाने वाले थे। इसे लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में है। सपा नेता लालू यादव ने इस पर आपत्ति जताई। कहा कि वर्तमान सरकार सनातन विरोधी हो गई है। आस्था का केंद्र अहिल्याबाई की मूर्ति को तहस-नहस कर दिया गया। इसका विरोध उन्हें झेलना ही पड़ेगा। हम चुप नहीं बैठने वाले हैं। समाजवादी पार्टी के चंदौली सांसद वीरेंद्र सिंह को कैंट पुलिस ने मणिकर्णिका जाने से रोका दिया। अर्दली बाजार स्थित टैगोर टाउन कॉलोनी में आवास पर एसीपी कैंट नितिन तनेजा के नेतृत्व में स्थानीय थाने की फोर्स पहुंची। इस दौरान सांसद वीरेंद्र सिंह मणिकर्णिका घाट जाने की बात पर अड़े और सड़क पर ही बैठ गए हैं। सपा सांसद वीरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा अहिल्याबाई की मूर्ति को खंडित करने के मामले में भ्रम फैला रही है। आने वाले दिनों में भाजपा के लोग यह भी कह सकते हैं कि पूरी काशी ही एआई से बनी हुई है। सपा नेता सुरेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि हमारी मांग यह है सपा के लोगों को मौके का निरीक्षण करने दिया जाए।

संक्षिप्त खबरें

सड़क हादसे में राहगीर की मौत

मुंडेरवा। बस्ती-मुंडेरवा मार्ग पर कुस्महा गांव के पास शुक्रवार की दोपहर करीब 2:15 बजे सड़क पार कर रहे परसा हज्जाम गांव निवासी हरिश्चन्द्र (45) को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। इससे वह घायल हो गया और जिला अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि शव को मोर्चरी हाउस में रखा गया। परिजनों की तहरीर के आधार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

धमकाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। हरैर्या पुलिस ने धमकाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। इसी थानाक्षेत्र के हरदिया निवासी प्रवेश कुमार सिंह ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि एक चिट्ठी में उनके बेटे के नाम से 20 लाख रुपये की मांग की गई। पैसा न देने पर जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिया से टकराकर बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

दुबौलिया। थाना क्षेत्र के दुबौलिया-महाराजगंज संपर्क मार्ग पर देर रात धरमूपुर के निकट बने सरयू नहर की पुलिया पर अनियंत्रित पल्सर बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज भिजवाया गया। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के सोमा गांव निवासी पल्सर बाइक सवार गोलू और मनोज दुबौलिया कस्बे से अपने घर जा रहे थे। इसी बीच वह अनियंत्रित हो धरमपुर के निकट बने नहर की पुलिया की रेलिंग से टकरा गए। दोनों को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज ले जाया गया, वहां इलाज चल रहा है ।

सामूहिक दुष्कर्म का आरोपी महाराष्ट्र में गिरफ्तार

बस्ती। कोतवाली में दर्ज सामूहिक दुष्कर्म के मामले में नामजद मुख्यारोपी प्रिन्स को बस्ती पुलिस ने महाराष्ट्र में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को महाराष्ट्र के न्यायालय में प्रस्तुत कर ट्रांजिट रिमांड पर बस्ती लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सीओ सिटी सत्येन्द्र भूषण तिवारी ने बताया कि आरोपी प्रिंस को पकड़ लिया गया है। उसे नियमानुसार बस्ती लाया जा रहा है। दिसंबर 2022 में कलवारी क्षेत्र की युवती ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

अस्पताल में कार्डियोलॉजिस्ट व न्यूरो सर्जन की हो तैनाती

बस्ती। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद यूपी का एक प्रतिनिधि मंडल शनिवार को जिलाधिकारी से मिला। ज्ञापन देकर मांग किया कि जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज बस्ती में हृदय रोग विशेषज्ञ और न्यूरो सर्जन की तैनाती नहीं है। विशेषज्ञ चिकित्सक के अभाव में कई कर्मचारी और शिक्षक की मृत्यु हो चुकी है। दोनों अस्पताल में विशेषज्ञ की तैनाती होने से समय से उपचार मिलने पर कई की जान बच सकती है। कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल ने कहा कि विशेषज्ञ डॉक्टर की तैनाती जल्द हो। इस दौरान मुकेश सोनकर, अजीत कुमार आदि मौजूद रहे।

माघ मेला विवाद का आपसी संवाद से निकालेंगे समाधान

बस्ती। प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले व जिले के प्रभारी मंत्री आशीष कुमार पटेल ने माघ मेला विवाद पर कहा कि आपसी संवाद से समस्या का समाधान निकालेंगे। उन्होंने कहा कि देश की संस्कृति में संत समाज का विशेष स्थान है। इस मामले से संबंधित सभी पक्षों के बीच बातचीत से सकारात्मक परिणाम जल्द ही सामने आ जाएंगे। जिले की कानून-व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा करने आए प्रभारी मंत्री शनिवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इसके पहले उन्होंने कलक्ट्रेट सभागार में कानून व्यवस्था की समीक्षा की। जनप्रतिनिधियों ने मंत्री को बताया कि जलजीवन मिशन के तहत पाइपलाइन मानक के अनुसार नहीं बिछाई जा रही है। पाइप लाइन की गहराई कम होने से अक्सर पाइप फट जा रही है। इससे मोहल्लों में जलभराव हो रहा है। हरैर्या के विधायक व अन्य जनप्रतिनिधियों ने शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में रोस्टर के अनुसार बिजली आपूर्ति न होने का मुद्दा उठाया।

अक्षर या नंबर में अंतर पर डाटा नहीं हो पा रहा अपलोड

बस्ती। एसआईआर प्रक्रिया एडवांस साफ्टवेयर के चलते उलझ गई है। मतदाताओं को जोड़ने को लिए बीएलओ और अन्य तकनीकी जानकार भी परेशान हैं। आयोग के पोर्टल पर तमाम नो-मैपिंग वाले मतदाता और नए मतदाताओं का फार्म छह, सात और आठ अपलोड नहीं हो पा रहा है। इसमें आईडी प्रपत्र और वोटर लिस्ट में दर्ज नाम में अक्षर या आईडी नंबर का कोई अंक मिस मैच होते ही फार्म रिजेक्ट हो जा रहे हैं। इसके बाद मतदाताओं की परेशानी बढ़ जा रही है। उन्हें नए सिरे प्रपत्र जुटाने के लिए भागदौड़ करनी पड़ रही है। मतदाता सूची और साक्ष्य प्रपत्रों में हल्की त्रुटियां भी भारी पड़ रही है। साफ्टवेयर प्रस्तुत पहचान प्रपत्र से मतदाताओं का मिलान नहीं कर पा रहा है। यहीं वजह है कि नो-मैपिंग वाले 1, 13,353 मतदाताओं में से चार दिनों के भीतर केवल 10 हजार लोग ही साक्ष्यों के साथ प्रस्तुत हो पाए हैं। इसमें भी सभी मतदाताओं का साक्ष्य स्वीकार योग्य नहीं पाया गया है। बूथ, ब्लॉक, तहसील स्तर पर डॉटा फीडिंग का कार्य लगातार चल रहा है। तकनीकी जानकारों का कहना है।

ट्रेडिंग का झांसा देकर दो लाख ठगे

बस्ती। सदर कोतवाली क्षेत्र में ट्रेडिंग का झांसा देकर 2,19,787 रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने शनिवार को अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है। सोनबरसा निवासी दिनेश चंद्र ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि नवंबर 2025 में वह फेसबुक पर केंद्रीय वित्त मंत्री का एक विज्ञापन देख रहा था। इसके नीचे एक फार्म भी था। इसमें ऑनलाइन ट्रेडिंग की जानकारी दी गई थी। उसने फार्म भर दिया। 11 नवंबर 2025 को उसके पास एक युवती का फोन आया। उसने ऑनलाइन ट्रेडिंग की प्रक्रिया बताई और 22,187 रुपये जमा करने की बात कही। उसने एक खाते का नंबर दिया। उसने रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद फोन करने वाली युवती ने कहा कि आगे की प्रक्रिया बताने के दूसरे मैनेजर फोन करेंगे। करीब दो घंटे के बाद दूसरे मैनेजर का फोन आया। उन्होंने बताया कि आपको डालर के रूप में रुपये का भुगतान होगा।

कपूर्री ठाकुर की 102वीं जयंती शहर में निकाली गई शोभा यात्रा

बस्ती। बस्ती विकास समिति की ओर से शनिवार को भारत रत्न, महान स्वतंत्रता सेनानी एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कपूर्री ठाकुर की 102वीं जयंती नगर कार्यालय पर मनाई गई। शहर में रोडवेज से लेकर कचहरी तक शोभा यात्रा भी निकाली गई, जिसमें लोगों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया और उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। संस्थापक अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि जननायक कपूर्री ठाकुर सामाजिक न्याय, समानता और गरीबों के अधिकारों के सच्चे प्रतीक थे।

आईसीसी के फैसले को चुनौती देगा बांग्लादेश बीसीबी ने स्पष्ट किया रुख

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल करने के आईसीसी के फैसले को स्वीकार कर लिया है और इसे चुनौती नहीं देने का फैसला किया है। सरकार द्वारा भारत में सुरक्षा चिंताओं के कारण टीम को भारत भेजना संभव नहीं बताया गया, जिसके बाद आईसीसी ने बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। आगामी टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की मौजूदगी को लेकर छिड़ा विवाद शनिवार को खत्म हो गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को सूचित किया कि उनकी जगह स्कॉटलैंड को टीम में शामिल किया गया है। अब बीसीबी ने स्पष्ट किया है कि वह आईसीसी के इस फैसले को चुनौती नहीं देगा। आईसीसी के फैसले को चुनौती नहीं देगा बांग्लादेश बीसीबी की मीडिया समिति के अध्यक्ष अमजद हुसैन ने शनिवार को ढाका में हुई बोर्ड बैठक के बाद यह जानकारी दी। इससे पहले खबरें आई थीं कि बीसीबी ने इस मामले को आईसीसी की विवाद समाधान समिति के पास ले जाने की तैयारी की थी, लेकिन अमजद हुसैन ने साफ किया कि ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया। अमजद हुसैन ने कहा, 'हमने आईसीसी बोर्ड के फैसले को स्वीकार कर लिया है।

गणतंत्र दिवस पर आज यूपी के 90 पुलिसकर्मी होंगे सम्मानित, 18 को मिलेगा वीरता पदक

लखनऊ,। गणतंत्र दिवस 2026 के मौके पर उत्तर प्रदेश के 18 पुलिस कर्मियों को वीरता पदक, 4 को उत्कृष्ट और 68 को सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया जाएगा। गृह मंत्रालय द्वारा जारी सूची के अनुसार यूपी से कुल 90 पुलिसकर्मियों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया है। वीरता पदक पाने वालों में इंस्पेक्टर संतोष कुमार, सब-इंस्पेक्टर सौरभ मिश्रा, हेड कांस्टेबल कविंद्र, अपर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह, इंस्पेक्टर अमीत, हेड कांस्टेबल बैजनाथ राम, मनोज कुमार सिंह, सब-इंस्पेक्टर अतुल चतुर्वेदी, प्रदीप कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल सुशील कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक राकेश, उप पुलिस अधीक्षक धर्मेश कुमार शाही, इंस्पेक्टर सत्य प्रकाश सिंह, सब-इंस्पेक्टर यशवंत सिंह, उप पुलिस अधीक्षक रजनीश कुमार उपाध्याय, सब-इंस्पेक्टर जर्रार हुसैन, सुनील सिंह तथा कांस्टेबल कुनाल मलिक शामिल हैं।

सराहनीय सेवा पदक पाने वालों में आईजी आकाश कुलहरि, अमित पाठक, पुलिस अधीक्षक घनश्याम, डीसीपी नीरज कुमार पांडेय, डीसीपी दीपेंद्र नाथ चौधरी, एसपी राजेश कुमार श्रीवास्तव, डीसीपी अतुल कुमार श्रीवास्तव, कमांडेंट निहारिका शर्मा, डीसीपी डॉ. प्रवीण रंजन सिंह, कमांडेंट संजीव कुमार बाजपेयी, एसपी रोहित मिश्रा, एएसपी प्रेम चंद, कमांडेंट सर्वेश कुमार मिश्रा, एएसपी सत्यपाल सिंह, एएसपी राहुल मिथास और एएसपी राज कुमार प्रमुख हैं। इसके अलावा पन्ना लाल, सैफुद्दीन बेग, अंजनी कुमार राय, प्रदीप सिंह चंदेल, जगदीश कालीरामन, अभय प्रताप मल्ल, कंपनी कमांडर हकीमुद्दीन, प्लाटून कमांडर जय प्रकाश शर्मा, सचिदानंद तिवारी, शिव लाल, सुनील कुमार सिंह सहित कई इंस्पेक्टर व उपनिरीक्षक केशव दत्त शर्मा, नरेंद्र कुमार दुबे, योगेंद्र कुमार सिंह, अशोक कुमार सिंह, अवध बिहारी निरंजन, हाकिम सिंह यादव, राजेंद्र प्रसाद मिश्रा, राम सरन सिंह यादव, मणि शंकर तिवारी, महेश पाल सिंह, अशोक कुमार कंबोज, शमशेर यादव, गीता अहिरवार, रमाकांत पचौरी, युगुल किशोर चंद, ओमप्रकाश यादव, प्रेमपाल, रणजीत, सत्यवीर सिंह, शिवा कांत मिश्रा, वीरेंद्र प्रताप सिंह और विजय सिंह भी सूची में शामिल हैं। अग्निशमन सेवा से एफएसएसओ नसीरुद्दीन खान, मुख्य अग्निशमन अधिकारी अरुण कुमार सिंह, लीडिंग फायरमैन गुलाब प्रसाद और लीडिंग फायरमैन लल्लन राम को सराहनीय सेवा पदक दिया गया है। वहीं होमगार्डध्सिविल डिफेंस से रेक्की अधिकारी अशुतोष द्विवेदी तथा डिप्टी डिविजनल वार्डन मुनव्वर सुल्ताना को भी सम्मानित किया गया है। पुलिस मुख्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह सम्मान प्रदेश के उन जमीनी स्तर के कर्मियों की मेहनत का परिणाम है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी जनता की सेवा में डटे रहते हैं। यह पूरे बल का मनोबल बढ़ाने वाला है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर व्यापारियों ने अनिवार्य मतदान की शपथ ली

लखनऊ,। रविवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के बैनर तले व्यापारियों ने प्रत्येक चुनाव में अनिवार्य मतदान की शपथ ली ,संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने व्यापारियों को अनिवार्य मतदान की शपथ दिलाई शपथ ग्रहण कार्यक्रम हजरतगंज स्थित साहू सिनेमा के पास आयोजित हुआ इस अवसर पर बोलते हुए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा लोकतंत्र में जनता के पास वोट का अधिकार सबसे बड़ा हथियार है सभी को मताधिकार के हथियार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए उन्होंने कहा व्यापारियों को चुनाव में जाति धर्म में ना बटते हुए व्यापारी बनकर वोट देना होगा तथा अपने आप को मजबूत व्यापारी वोट बैंक के रूप में स्थापित करना होगा तभी व्यापारियों की समस्याओं का समाधान होगा और सरकारे आसानी से व्यापारियों की बात सुनेंगी उन्होंने कहा जो लोग मताधिकार का प्रयोग नहीं करते, उन्हें सरकारो को कोसने का कोई अधिकार नहीं है उन्होंने कहा हमें स्वयं तथा अपने परिजनों एवं परिचितो को अनिवार्य मतदान हेतु जागरूक करना होगा। संजय गुप्ता ने कहा कि चुनाव में व्यापारी अपने परिजनों के साथ वोटों का प्रयोग कर मजबूत व्यापारी वोट बैंक के रूप में दिखें उन्होंने कहा राजनीतिक दल एवं सत्ता पर बैठे हुए लोग केवल वोटों की भाषा समझते हैं अतः नागरिकों को इस भाषा का प्रयोग अच्छे तरीके से करना आना चाहिए व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने व्यापरियों एवं नागरिकों से मताधिकार के समय जाति धर्म की सोच को छोड़कर शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, व्यापार, उद्योग ,एवं देश- प्रदेश के चौमुखी विकास के विषयों को ध्यान में रखते हुए मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की शपथ कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री शशिकांत शर्मा, कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अविनाश त्रिपाठी, उपाध्यक्ष गुरप्रीत सिंह चड्ढा, मंत्री संदीप सिंह गौर,प्रदेश संसदीय महामंत्री सुहेल हैदर अल्वी, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष शेखर कुमार, नगर महामंत्री राजीव शुक्ला, नगर महामंत्री मोहित कपूर, नगर महामंत्री संजय त्रिवेदी, नगर महामंत्री आशीष गुप्ता, नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमिताभ श्रीवास्तव, नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंशु श्रीवास्तव, नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष हिमांशु गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष मनीष वर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष सतनाम सिंह, नगर उपाध्यक्ष शिखर विजय श्रीवास्तव ,ट्रांस गोमती महिला अध्यक्ष अंजलि मौर्या, महामंत्री कादंबिनी द्विवेदी, लव लेन मार्केट अध्यक्ष गौस अहमद, कमर मून , प्रिंस मार्केट अध्यक्ष मोहम्मद हलीम खान, महामंत्री रवि मामा जी, चन्दर नगर मार्केट अध्यक्ष मनमोहन सिंह, उत्तर प्रदेश आदर्श टेंट कैटरिंग व्यापार मंडल के अध्यक्ष संतोष गुप्ता ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव सिंह ,वीरेंद्र साहू, नगर उपाध्यक्ष संजय टंडन ,गोपाल गुप्ता व्यापारी शामिल थे।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने की दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से शिष्टाचार भेंट की

किशोर को भगा ले गई युवती,परिजनों ने दर्ज कराई एफआईआर

लखनऊ,। बंथरा थाना क्षेत्र से एक किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया है। परिजनों ने एक युवती पर उसे बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर किशोर और युवती की तलाश शुरू कर दी है। बंथरा थाना क्षेत्र के निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि उनका 17 वर्षीय बेटा 22 जनवरी को अचानक घर से लापता हो गया। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। बाद में खोजबीन के दौरान उन्हें जानकारी मिली कि सरोजनी नगर के चिल्लावां निवासी एक युवती उसे बहाने से बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गई है। परिजनों का आरोप है कि किशोर और युवती इस समय दिल्ली में रह रहे हैं। पीड़ित पिता की तहरीर पर बंथरा पुलिस ने संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज की मदद से लापता किशोर और आरोपी युवती का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

धार्मिक गुरुओं के अपमान से बिगड़ता सौहार्द

लखनऊ,। प्रयागराज में माघ मेले के दौरान शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़े घटनाक्रम को लेकर शिया मार्कजी चाँद कमिटी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कमिटी के अध्यक्ष मौलाना सैफ अब्बास ने इस पूरे मामले की निंदा करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताया है। मौलाना सैफ अब्बास ने अपने बयान में कहा कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद देश के सम्मानित और प्रतिष्ठित धार्मिक व्यक्तित्व हैं। उनके साथ जिस तरह का व्यवहार सामने आया है, वह न केवल दुखद है बल्कि इससे धार्मिक भावनाओं को भी गहरी ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म के धार्मिक गुरु के साथ इस प्रकार का व्यवहार स्वीकार्य नहीं हो सकता। शिया मार्कजी चांद कमिटी के अध्यक्ष ने कहा कि भारत विविध धर्मों और संस्कृतियों का देश है, जहां आपसी सम्मान और सौहार्द की परंपरा रही है। ऐसे में धार्मिक नेताओं के साथ अपमानजनक रवैया सामाजिक एकता को कमजोर करता है और आपसी भाईचारे के खिलाफ जाता है। मौलाना सैफ अब्बास ने प्रशासन से अपेक्षा जताई कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष समीक्षा हो और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों में सभी धर्मगुरुओं के सम्मान और गरिमा की रक्षा करना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने अंत में अपील की कि समाज में शांति, सौहार्द और आपसी सम्मान बनाए रखने के लिए सभी पक्ष संयम और समझदारी से काम लें, ताकि किसी भी वर्ग या समुदाय की भावनाएं आहत न हों। गौरतलब है कि त्रिवेणी मार्ग उत्तरी पटरी पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का शिविर स्थित है,मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर पालकी के साथ स्नान के लिए जाने से रोकने पर विवाद हुआ था,इसके बाद से ही स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती अपने शिविर के बाहर धरने पर बैठे हैं,आज शिविर के बाहर बैठने का सातवां दिन है।

मां की डांट से नाराज बेटे ने जान दी

लखनऊ : लखनऊ में 20 साल के लड़के ने जान दे दी। शराब पीकर आने पर मां ने डांट दिया था। जिसके बाद वह छत से कूदकर बाहर गया और जहर खा लिया। दोस्तों को फोन करके बोला- मैंने जहर खा लिया। घर से करीब 100 मीटर की दूरी पर बेहोशी की हालत में मिला। दोस्त और परिजन उसे ट्रॉमा सेंटर ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। उसके कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है। जिसमें लिखा है- सॉरी मम्मी पापा, अब मैं इस दुनिया में जीने के लायक नहीं। मम्मी आई लव यू। अपना और तनु का ख्याल रखना। मामला शनिवार रात का ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के रहमतगंज का है। मृतक की पहचान हिमांशु शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने बताया कि हिमांशु शराब पीकर घर आया था। इस पर उसकी मां रश्मि पाल ने उसे डांट दिया। मां की डांट से नाराज होकर हिमांशु शराब के नशे में घर से निकल जाने की बात करने लगा। मां ने दरवाजा बंद कर दिया। जिसके बाद वह छत पर गया और वहां से कूदकर बाहर निकल गया। इसके बाद उसने अपने दोस्तों को फोन करके कहा कि उसने जहर खा लिया है। यह सुनते ही दोस्त घबरा गए और उसे ढूंढते हुए फैजुल्लागंज पहुंचे, वहां वह बेहोश मिला। परिजनों की मदद से उसे ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हिमांशु डिलीवरी बॉय था। परिवार में पिता अजय पाल हैं। वह प्राइवेट बस चलाते हैं। पिता करीब 10 दिनों के बाद घर लौटे थे। परिवार में मां रश्मि पाल और एक छोटी बहन तनु भी है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

लखनऊ में दौड़ी गदर के अमरीशपुरी की कार

लखनऊ : लखनऊ की सड़कों पर रविवार को विंटेज कारें दौड़ीं।

इस रैली में 100 साल पुरानी 22 विंटेज कार शामिल रहीं। इस दौरान सड़क पर बेहद शानदार नजारा देखने को मिला। इनमें एक कार ऐसी थी, जिस पर अभिनेता अमरीश पुरी फिल्म 'गदर' की शूटिंग के दौरान बैठे थे। विंटेज कार रैली अवध हेरिटेज क्लब की ओर से गोमती नगर स्थित लोहिया पार्क से निशातगंज मेट्रो सिटी तक निकाली गई। विंटेज कार का कनेक्शन इमोशन से होता है एपी माहेश्वरी ने बताया कि विंटेज कार का कनेक्शन इमोशन से होता है। यह सभी गाड़ियां 100 साल पुरानी हैं। जिनका अपना इतिहास है। कुछ गाड़ी ऐसी हैं जो फर्स्ट और सेकंड वर्ल्ड वॉर के बीच की हैं। गदर फिल्म की शूटिंग में अमरीश पुरी जिस गाड़ी में बैठे थे, वह भी इस विंटेज रैली का हिस्सा बनी। कई गाड़ी ऐसी हैं, जो यहां शामिल लोगों की थर्ड जनरेशन की हैं। जिनमें उनके ग्रैंडफादर घूमते थे। इन विंटेज कार का मेंटेनेंस बहुत महंगा है। कई बार पार्ट्स यहां नहीं मिलते हैं। इंग्लैंड से मंगाया जाता है। 104 साल पुरानी बेबी ऑस्टिन और 1927 की फोर्ड काफी चर्चित है।

मन की बात देशवासियों के लिए प्रधानमंत्री का आत्मीय संवाद- केशव

लखनऊ,। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सत्यम फार्महाउस जनप्रतिनिधि भारतीय जनता पार्टी के सम्मानित पदाधिकारी एवं तथा देव तुल्य कार्यकताओं के साथ यह सबसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मां की बात का सामूहिक श्रवण किया।श्री मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज के मन की बात कार्यक्रम में आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत, नारी सशक्तिकरण, स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन, युवाओं में नवाचार, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर मार्गदर्शन देकर देशवासियों को सकारात्मक दिशा दी है। यह कार्यक्रम न केवल विचारों को दिशा देता है, बल्कि जन-जन में राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध को भी जागृत करता है। श्री मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन डबल इंजन सरकार सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के मंत्र पर कार्य कर रही है, संकल्पों को धरातल पर उतारने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। प्रदेश में महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास, स्वच्छता अभियान, स्वरोजगार और युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता का विश्वास हमारी सबसे बड़ी ताकत है और मन की+ बात जैसे कार्यक्रम उस विश्वास को और मजबूत करते हैं। प्रधानमंत्री जी का यह संवाद देश को एक सूत्र में बांधने का कार्य कर रहा है।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा सांसद अतुल गर्ग, भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया महापौर सुनीता दयाल एवं महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

39 मिनरल वाटर कम्पनियों पर एक्शन

बोतलबंद पानी की बिक्री बैन,जांच में फेल हुए पानी के सैंपल

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश में बोतलबंद पानी की गुणवत्ता को लेकर शिकायतों के बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग एफएसडीए ने एक्शन लिया है। विभाग ने 39 मिनरल वाटर और पैक्ड ड्रिंकिंग वाटर कंपनियों के उत्पादों की बिक्री और सप्लाई पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है।जांच में इन कंपनियों का पानी पीने योग्य मानकों पर खरा नहीं उतर पाया, जिसके बाद कदम उठाया गया।एफएसडीए द्वारा जिलों में बोतलबंद पानी के नमूने लिए गए थे।प्रयोगशाला जांच में कई ब्रांड्स के सैंपल गुणवत्ता मानकों पर असफल पाए गए। आयुक्त डॉ. रोशन जैकेब ने कहा कि दूषित पानी लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर, दीर्घकालिक दुष्प्रभाव डाल सकता है, इसलिए जनहित में कार्रवाई जरूरी थी।कार्रवाई के दायरे में मैनपुरी की ग्लोबल ब्रांड, प्रयागराज की नीट एचटूओ, आजमगढ़ की ग्लासिया, गोरखपुर की रिप्लायबल फ्रेश, बस्ती की कीवी, चित्रकूट की क्वीन ब्रांड और गोंडा

की सुपर फाइव स्टार पैक्ड ड्रिंकिंग वाटर शामिल हैं। इन ब्रांड्स का पानी जांच में असुरक्षित है।अंबेडकरनगर का एक्वा हेल्थ, लखनऊ का वृष्टि और फिट ब्रांड, बाराबंकी के किंग मेन व ओएक्सवाई, फतेहपुर का चिल, उन्नाव का फू-फू फुक, देवांश डेली एक्वा व हिलडिन रामपुर का एक्वा ऐस चंदौली का गुगली और एक्वा यूएस, गौतमबुद्धनगर का एक्वा बोट ब्रांड प्रतिबंधित हुए हैं। वाराणसी के एक्वासिया और साईं नीर, गोरखपुर के हेल्दी ऐश, लखीमपुर के न्यू गंगा जल, रायबरेली के मि. जलज और आर्वा, प्रयागराज के रायल चौलेंज, बाराबंकी की ज्ञानवी फूडटेक फूड व एलएपी, शाहजहांपुर के फिनवेल, बस्ती के आरके एक्वा शोक, गोंडा के अमृत पियो और रिलैक्स, इटावा के निर्मल धारा व कैनियन एक्वा, लखनऊ के ओजीन, सिद्धार्थनगर के वेदिक और चंदौली के टीचर्स ब्रांड भी सूची में शामिल हैं। एफएसडीए आयुक्त डॉ. रोशन जैकेब ने कंपनियों को 48 घंटे के भीतर अपने स्टॉक का पूरा विवरण विभाग को सौंपने का निर्देश दिया है। अधिकारियों को आदेश दिए हैं कि प्रतिबंधित पानी की बिक्री और सप्लाई तुरंत रोकी जाए। यह कार्रवाई अंतिम नहीं है। जांच जारी रहेगी और यदि नियमों का उल्लंघन पाया गया तो संबंधित कंपनियों के खिलाफ और कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डिजिटली योगी सरकार की रोजगारपरक योजनाओं को आम जन तक पहुंचा रहा यूपीकॉन

लखनऊ,। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित रोजगारपरक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यूपी इंडस्ट्रियल कंसल्टेंट्स लिमिटेड यूपीकॉन द्वारा अभिनव डिजिटल अवेयरनेस कैंपेन शुरू किया गया है। इस जागरूकता अभियान के माध्यम से विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, एक जनपद-एक उत्पाद ओडीओपी प्रशिक्षण कार्यक्रम सहित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान सीएम युवा योजना और ओडीओपी मार्जिनमनी योजना जैसीयोजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है। यूपीकॉन उत्तर प्रदेश में उद्यमिता, स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाली एक सरकारी संस्था है, जो युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए मंच और सहायता प्रदान करती है।यूपीकॉन के एमडी प्रवीण सिंह के मुताबिक डिजिटल युग में सूचना के तेजी से प्रसार को ध्यान में रखते हुए हमने इस डिजिटल अवेयरनेस कैंपेन को सोशल मीडिया आधारित बनाया है ताकि सरकार की योजनाओं की जानकारी सीधे युवाओं, कारीगरों और संभावित उद्यमियों तक पहुंच सके। यूपीकॉन द्वारा संचालित डिजिटल अवेयरनेस कैंपेन के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जनपदों में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साथ सहयोग किया जा रहा है। 15 जनपदों में इन्फ्लुएंसर्स के माध्यम से जागरूकताअभियान सफलतापूर्वक चलाया जा चुका है। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना एवं ओडीओपी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के वीडियोज, जिनमें प्रशिक्षण की प्रक्रिया, लाभार्थियों के अनुभव और योजनाओं के व्यावहारिक लाभों को सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है।

यूपी की आबकारी नीति बनी राष्ट्रीय मॉडल, अन्य राज्यों में बजा डंका

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश सरकार की दूरदर्शी और पारदर्शी आबकारी नीति प्रदेश के राजस्व को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के साथ-साथ देश के अन्य राज्यों के लिए एक राष्ट्रीय मॉडल के रूप में उभरकर सामने आयी है। आबकारी राजस्व में लगातार हो रही रिकॉर्ड वृद्धि के चलते यूपी की आबकारी नीति की गूंज अब प्रदेश की सीमाओं से बाहर सुनाई देने लगी है। यही वजह है कि कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, झारखंड और हिमाचल प्रदेश समेत आधा दर्जन से अधिक राज्यों के आबकारी आयुक्तों और वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रदेश का दौरा कर यहां की आबकारी नीति का गहन अध्ययन किया। प्रदेश सरकार के प्रयासों से तैयार नीति न केवल राजस्व वृद्धि पर केंद्रित है, बल्कि इसमें पारदर्शिता, तकनीकी नवाचार, अवैध शराब पर प्रभावी नियंत्रण और उपभोक्ता हितों को भी समान रूप से महत्व दिया गया है। परिणाम है कि यूपी आज देश के अग्रणी आबकारी राजस्व वाले राज्यों में शामिल हो चुका है।आबकारी आयुक्त आदर्श सिंह ने बताया कि पिछले दो वर्षों में विभिन्न राज्यों के आबकारी विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रदेश का भ्रमण यूपी की आबकारी नीति को समझने और उसे अपने-अपने राज्यों में लागू करने की संभावनाओं को तलाशने के उद्देश्य से किया गया। अधिकारियों ने यूपी के आबकारी आयुक्त और विभागीय अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में यह समझने पर जोर दिया गया कि किस तरह नीति निर्धारण, ई-गवर्नेंस, लाइसेंसिंग प्रक्रिया और निगरानी तंत्र को सुदृढ़ कर राजस्व में निरंतर वृद्धि संभव बनाई गई। कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों के अधिकारियों ने यूपी की नीति को व्यावहारिक और राजस्व केंद्रित बताते हुए इसकी सराहना की। कई राज्यों ने यह भी स्वीकार किया कि यूपी की आबकारी नीति से प्रेरणा लेकर वे अपने यहां आबकारी ढांचे में बदलाव करने पर विचार कर रहे हैं। विभिन्न राज्यों के आबकारी अधिकारियों ने प्रदेश की आसवनियों डिस्टिलरीज, शराब की दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य जानना था कि उत्पादन से लेकर बिक्री तक, किस तरह की निगरानी व्यवस्था लागू की गई है और किस प्रकार अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा रहा है। अधिकारियों ने यूपी में अपनाई गई डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली, ई-लॉटरी के माध्यम से दुकानों का आवंटन, बारकोडिंग और स्टॉक प्रबंधन प्रणाली की विशेष रूप से सराहना की। अधिकारियों ने माना कि इन उपायों से न केवल राजस्व में वृद्धि हुई है, बल्कि भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर भी प्रभावी नियंत्रण संभव हुआ है।

पुलिस चौकी के पास कारोबारी को थार से कुचला

लखनऊ : लखनऊ के विभूति खंड थाना क्षेत्र में दबंगों ने पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी पर कारोबारी को थार से कुचल दिया। करीब 25 मिनट तक कारोबारी के दोनों पैरों पर गाड़ी चढ़ाए रखा। पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से उसे थार के पहिया के नीचे से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। गंभीर अवस्था में उसका उपचार चल रहा है। घटना समिट बिल्डिंग परिसर की है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य की तलाश कर रही है। सरोजनीनगर के न्यू गुडोरा निवासी मोरंग कारोबारी पवन पटेल गुरुवार रात अपने दोस्त प्रशांत सचान और अन्य साथियों के साथ समिट बिल्डिंग स्थित क्लब में पार्टी करने पहुंचे। रात करीब 1 बजे सभी पार्किंग से बाहर निकल रहे थे, तभी परिसर में खड़ी थार और एक अन्य कार में सवार युवक आपस में झगड़ा करते दिखे। थार को बैक करके कुचला पवन के मुताबिक, उन्होंने झगड़ा कर रहे युवकों को समझाने की कोशिश की तो वे भड़क गए और मारपीट शुरू कर दी। उनके दोस्त प्रशांत की चेन लूटने की कोशिश की। विरोध करने पर उन्हें थार से टक्कर मार दी और भागने लगे। आरोपियों को भागता देख प्रशांत ने सुरक्षा गार्ड से गेट बंद करने को कहा। इस पर आरोपी और उग्र हो गए। थार को बैक कर उन्हें कुचल दिया। थार का पीछा पहिया उनके दोनों पैरों पर चढ़ा दिया।

संपादकीय

एक खुले बजट की ओर

बजट की गोपनीयता की रस्म, जो औपनिवेशिक काल के रहस्य में लिपटी हुई है और बदनाम ह्यबजट बंकरह्ल द्वारा दर्शाई गई नाटकीय सख्ती के साथ लागू की जाती है, 21वीं सदी के लोकतंत्र में एक पुरानी बात लगती है, जो पारदर्शिता और भागीदारी वाली शासन व्यवस्था के लिए कोशिश कर रहा है। यह परंपरा, जिसमें केंद्रीय बजट संसद में तय दिन पर ही खोला जाता है, समझदारी भरे आध्थक प्रबंधन का स्तंभ कम और पुरानी औपनिवेशिक मानसिकता का अवशेष ज्यादा है। इस अवधारणा के जनक रॉबर्ट वालपोल थे, जो ब्रिटेन के पहले प्रधानमंत्री थे (और अपने प्रधानमंत्रित्व काल में चांसलर ऑफ एक्सचेकर भी थे)। 1733 में, वालपोल के विरोधियों ने उनके टैक्स प्रस्तावों का मजाक उड़ाते हुए उन्हें जादूगर की चाल बताया और ह्यद बजट ओपन्डह्ल शीर्षक से एक पैम्फलेट प्रकाशित किया, जिसमें वित्तीय योजना को ह्यचालों की थैलीह्ल से प्रकट किया गया एक ह्यमहान रहस्यह्ल बताया गया था। वालपोल और तब से हर चांसलर ने अपने वित्तीय प्रस्तावों की गोपनीयता का इस्तेमाल सट्टेबाजी वाले बाजार के हितों की रक्षा करने की बजाय संसदीय विरोधियों को मात देने और जनता के गुस्से को कम करने के लिए किया। इस प्रथा को ब्रिटिश भारत में लाया गया और तेज किया गया, जहां बजट लोकतांत्रिक बातचीत का नहीं, बल्कि शाही शोषण का एक उपकरण था। आज के नॉर्थ ब्लॉक का बजट बंकर औपनिवेशिक किलेबंदी वाली मानसिकता का सीधा वंशज है। इस गोपनीयता के क्लासिक तर्क आधुनिक संदर्भ में कमजोर हैं। रियल-टाइम डाटा एनालिटिक्स, एल्गोरिदमिक ट्रेङ्कषडग और वैश्विक पूंजी प्रवाह के युग में, यह धारणा कि कुछ हफ्तों की गुप्त तैयारी बाजारों को प्रभावी ढंग से ह्यहैरानह्ल कर सकती है, भोली है। इसकी बजाय, जटिल वित्तीय और टैक्स उपायों की अचानक, बड़े पैमाने पर घोषणा अक्सर अस्थिरता पैदा करती है क्योंकि बाजार बिना किसी विश्लेषक की पहले की जांच या चरणबद्ध बहस के सैंकड़ों पन्नों की घनी नीति को समझने की कोशिश करते हैं। यह जिस असली सट्टेबाजी को बढ़ावा देता है, वह राजनीतिक किस्म की होती है-उन्मादी मीडिया अटकलें और लॉबिस्टों की फुसफुसाहट वाली मुहिम, जो सूचना के अभाव में पनपती है। इसके अलावा, यह दावा कि गोपनीयता अनुचित लाभ को रोकती है, खोखला है, जब हम यह सोचते हैं कि परिष्कृत कॉर्पोरेट संस्थाओं के पास आम नागरिक या छोटे व्यवसाय की तुलना में तत्काल बजट घोषणा का विश्लेषण करने और उस पर प्रतिक्रिया करने के लिए हमेशा अधिक संसाधन होते हैं। स्वीडन, नीदरलैंड्स और जर्मनी जैसे देश ओपन बजट बनाने के सिद्धांतों पर काम करते हैं। मुख्य पैरामीटर-वित्तीय सीमाएं, प्रमुख नीति दिशा, राजस्व पूवार्नुमान महीनों पहले प्रकाशित किए जाते हैं और उन पर बहस होती है। फ्रांस भी एक पारिभाषित मल्टी-ईयर वित्तीय ढांचे के भीतर बजट पर एक व्यापक सार्वजनिक और संसदीय चर्चा करता है। विधायिका सालाना तमाशे के लिए एक निष्क्रिय दर्शक बनने की बजाय शासन में एक भागीदार बन जाती है। ऐसी पारदर्शिता का सीधा संबंध उच्च क्रैडिट रेटिंग, कम उधार लागत और अधिक वित्तीय स्थिरता से है - ऐसे परिणाम, जिनकी भारत को सख्त जरूरत है। भारत के लिए ऐसे मॉडल की ओर बढने के फायदे बहुत ज्यादा हैं। सबसे पहले, यह कार्यपालिका पर एक मजबूत अनुशासन लागू करता है। दूसरा, यह ठोस पॉलिसी में तालमेल को बढ़ावा देता है। जब बड़ी पहल, चाहे वह कोई नई वेल्फेयर स्कीम हो या डिफेंस मॉडर्नाइजेशन प्लान, बजट से पहले के बयान में बताई जाती हैं, तो संसदीय समितियां हितधारकों से चर्चा कर, उनकी व्यवहार्यता का आकलन और लंबे समय के राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ तालमेल का मूल्यांकन कर सकती हैं। तीसरी और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह राजनीतिक रूप से तय किए गए आध्थक पैकेजों के लगातार विवाद को खत्म कर देगा। अगर इन आबंटनों पर खुले बजट फ्रेमवर्क के हिस्से के रूप में चर्चा की जाती है, तो उनका जरूरत, प्रदर्शन और समानता के वस्तुनिष्ठ मानदंडों के आधार पर मूल्यांकन किया जा सकता है, जिससे उन्हें ज्यादा वैधता मिलेगी। भारत के लिए आगे का रास्ता धीरे-धीरे, सोच-समझकर कैलिब्रेटेड खुलापन अपनाना है। यह प्रक्रिया बजट दिवस से दो-तीन महीने पहले एक अनिवार्य प्री-बजट वित्तीय रणनीति विवरण के साथ शुरू हो सकती है। साथ ही, टैक्स प्रस्तावों पर एक तकनीकी दस्तावेज एडवांस रूलिंग अथॉरिटी और विशेषज्ञों के एक चुनिंदा पैनल के साथ कड़ी गोपनीयता के तहत सांझा किया जा सकता है ताकि प्रशासनिक व्यवहार्यता की जांच की जा सके और केवल सटीक दर परिवर्तनों की घोषणा उसी दिन की जाए। अब समय आ गया है।

प्रजातंत्र को वास्तविक गणतंत्र में बदलने की जरूरत

युवाशक्ति तेजी के साथ नए-नए विषयों पर काम कर रही है, जिसने हर क्षेत्र में एक ऐसी प्रयोगधर्मी और प्रगतिशील पीढ़ी खड़ी की है, जिस पर दुनिया विस्मित है। सूचना प्रौद्योगिकी, फिल्में, कृषि और अनुसंधान से जुड़े क्षेत्रों या विविध प्रदर्शन कलाएँ हर जगह भारतीय प्रतिभाएँ वैश्विक संदर्भ में अपनी जगह बना रही हैं। शायद यही कारण है कि भारत की तरफ देखने का दुनिया का नजरिया पिछले एक दशक में बहुत बदला है। ये चीजें अनायास और अचानक घट गई हैं, ऐसा भी नहीं है। देश के नेतृत्व के साथ-साथ आम आदमी के अंदर पैदा हुए आत्मविश्वास ने विकास की गति बहुत बढ़ा दी है। भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता की तमाम कहानियों के बीच भी विश्वास के बीज धीरे-धीरे एक वृक्ष का रूप ले रहे हैं। कई स्तरों पर बंटे समाज में भाषा, जाति, धर्म और प्रांतवाद की तमाम दीवारें हैं।

आजादी के लगभग 8 दशक पूरे करने के बाद भारतीय गणतंत्र एक ऐसे मुकाम पर है, जहाँ से उसे सिर्फ आगे ही जाना है। अपनी एकता, अखंडता और सांस्कृतिक व नैतिक मूल्यों के साथ पूरी हुई इन 8 दशकों की यात्रा ने पूरी दुनिया के मन में भारत के लिए एक आदर पैदा किया है। यही कारण है कि हमारे भारतवंशी आज दुनिया के हर देश में एक नई निगाह से देखे जा रहे हैं। उनकी प्रतिभा का आदर और मूल्य भी उन्हें मिल रहा है। हमें सोचना होगा कि आखिर हम उस सपने को कैसा पूरा कर सकते हैं जिसे पूरे करने के लिए सिर्फ कुछ साल बचे हैं। यानि 2047 में भारत को महाशक्ति और विश्वगुरु बनाने का सपना। आजादी के लड़ाई के मूल्य आज भले थोड़ा धुंधले दिखते हों या राष्ट्रीय पर्व औपचारिकताओं में लिपटे हुए, लेकिन यह सच है कि देश की युवाशक्ति आज भी अपने राष्ट्र को उसी जज्बे से प्यार करती है, जो सपना हमारे सेनानियों ने देखा था। आजादी की जंग में जिन नौजवानों ने अपना सर्वस्व निछावर किया, वही ललक और प्रेरणा आज भी भारत के उत्थान के लिए नई पीढ़ी में दिखती है। हमारे प्रशासनिक और राजनीतिक तंत्र में भले ही संवेदना घट चली हो, लेकिन आम आदमी आज भी बेहद ईमानदार और नैतिक है। वह सीधे रास्ते चलकर प्रगति की सीढ़ियाँ चढ़ना चाहता है। यदि ऐसा न होता तो विदेशों में जाकर भारत के युवा सफलताओं के इतिहास न लिख रहे होते। जो विदेशों में गए हैं, उनके सामने यदि अपने देश में ही विकास के समान अवसर उपलब्ध होते तो वे शायद अपनी मातृभूमि को छोड़ने के लिए प्रेरित न होते। बावजूद इसके विदेशों में जाकर भी उन्होंने अपनी प्रतिभा, मेहनत और ईमानदारी से भारत

के लिए एक ब्रांड एंबेसेडर का काम किया है। यही कारण है कि साँप, सपेरों और साधुओं के रूप में पहचाने जाने वाले भारत की छवि आज एक ऐसे तेजी से प्रगति करते राष्ट्र के रूप में बनी है, जो तेजी से अपने को एक महाशक्ति में बदल रहा है। आर्थिक सुधारों की तीव्र गति ने भारत को दुनिया के सामने एक ऐसे चमकीले क्षेत्र के रूप में स्थापित कर दिया है, जहाँ व्यवसायिक विकास की भारी संभावनाएं देखी जा रही हैं। यह अकारण नहीं है कि तेजी के साथ भारत की तरफ विदेशी राष्ट्र आकर्षित हुए हैं। बाजारवाद के हो-हल्ले के बावजूद आम भारतीय की शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक स्थितियों में व्यापक परिवर्तन देखे जा रहे हैं। ये परिवर्तन आज भले ही मध्यवर्ग तक सीमित दिखते हों, इनका लाभ आने वाले समय में नीचे तक पहुँचेगा। आकांक्षावान भारत का उदयः भारी संख्या में युवा शक्तियों से सुसज्जित देश अपनी आंकाक्षाओं की पूर्ति के लिए अब किसी भी सीमा को तोड़ने को आतुर है। युवाशक्ति तेजी के साथ नए-नए विषयों पर काम कर रही है, जिसने हर क्षेत्र में एक ऐसी प्रयोगधर्मी और प्रगतिशील पीढ़ी खड़ी की है, जिस पर दुनिया विस्मित है। सूचना प्रौद्योगिकी, फिल्में, कृषि और अनुसंधान से जुड़े क्षेत्रों या विविध प्रदर्शन कलाएँ हर जगह भारतीय प्रतिभाएँ वैश्विक संदर्भ में अपनी जगह बना रही हैं। शायद यही कारण है कि भारत की तरफ देखने का दुनिया का नजरिया पिछले एक दशक में बहुत बदला है। ये चीजें अनायास और अचानक घट गईं हैं, ऐसा भी नहीं है। देश के नेतृत्व के साथ-साथ आम आदमी के अंदर पैदा हुए आत्मविश्वास ने विकास की गति बहुत बढ़ा दी है। भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता की तमाम कहानियों के बीच भी विश्वास के बीज धीरे-धीरे एक वृक्ष का रूप ले रहे हैं। कई स्तरों पर बंटे समाज में भाषा, जाति, धर्म और प्रांतवाद की तमाम दीवारें हैं। कई दीवारें ऐसी भी कि जिन्हें हमने खुद खड़ा किया है और हमारा बुरा सोचने वाली ताकतें उन्हें संबल दे रही हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रश्न पर भी जब देश बँटा हुआ नजर आता है, तो कई बार आम भारतीय का दुख बढ़ जाता है। घुसपैठ की समस्या भी एक ऐसी समस्या है जिससे लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। किसी तरह भी वोट बैंक बनाने और सत्ता हासिल करने की होड ने तमाम मूल्यों को शीर्षासन करा दिया है। ऐसे में जनता के विश्वास की रक्षा कैसे की जा सकती है? आजादी के इतने साल के बाद लगभग वही सवाल आज भी खड़े हैं, जिनके चलते देश का बँटवारा हुआ और महात्मा गांधी जैसी विभूतियां भी इस बँटवारे को रोक नहीं पाईं। देश के अनेक हिस्सों में चल रहे अतिवादी आंदोलन, चाहे वे किसी नाम से भी चलाए जा रहे हों या किसी भी विचारधारा से प्रेरित हों। सबका उद्देश्य भारत की प्रगति के मार्ग में रोड़े अटकाना ही है। अनेक विकास परियोजनाओं के खिलाफ इनका हस्तक्षेप यह बताता है कि सारा कुछ बेहतर नहीं है। गणतंत्र को सार्थक करने के लिए हमें साधन संपन्नों और हाशिये पर खड़े लोगों को एक तल पर देखना होगा। क्योंकि आजादी तभी सार्थक है, जब वह हिंदुस्तान के हर आदमी को समान विकास के अवसर उपलब्ध कराए। कानून की नजर में हर आदमी समान है, यह बात नारे में नहीं, व्यवहार में भी दिखनी चाहिए। अंतिम आदमी का कीजिए विचार- गणतंत्र के बारे में कहा जाता है कि वह सौ सालों में साकार होता है। भारत ने इस यात्रा की भी काफी यात्रा पूरी कर ली है। बावजूद इसके हमें डा. राममनोहर लोहिया की यह बात ध्यान रखनी होगी कि ह्यलोकराज लोकलाज से चलता है ।ह्ल इसी के साथ याद आते हैं पं. दीनदयाल उपाध्याय जैसे लोग, जिन्होंने एकात्म मानववाद का दर्शन देकर भारतीय राजनीति को एक ऐसी दृष्टि दी है, जिसमें आम आदमी के लिए जगह है। यह दर्शन हमें दरिद्रनारायण की सेवा की मार्ग पर प्रशस्त करता है। महात्मा गांधी भी अंतिम व्यक्ति का विचार करते हुए उसके लिए इस तंत्र में जगह बनाने की बात करते हैं।

गाजा बोर्ड ऑफ पीस की वैश्विक कशमकश

आखिर चीन, रूस, भारत, फ्रांस, जर्मनी, नॉर्वे, स्वीडन जैसे कद्दावर देश ऐसे पीस बोर्ड से दूरी क्यों बनाए हुए हैं? खास बात यह कि आखिर गाजा बोर्ड ऑफ पीस के अंतर्राष्ट्रीय मायने क्या हैं? और इसके पीछे के वैश्विक निहितार्थ से किसको क्या फायदा और क्षति होने के कयास लगाये जा रहे हैं? आइए सबसे पहले इस बोर्ड के स्वरूप को जान लेते हैं। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने 2025 में इसकी शुरूआत की, जहां खुद ही वे ही यानी पदेन अमेरिकी राष्ट्रपति इसके प्रमुख होंगे और अन्य सदस्य देश तीन-तीन साल के लिए चुने जाएंगे। वहीं, इसकी स्थायी सदस्यता के लिए 1 अरब डॉलर का योगदान जरूरी है, जबकि कार्यकारी बोर्ड में मार्को रुबियो, जेरेड कुशनर जैसे नाम शामिल हैं। यह बोर्ड गाजा के पुनर्निर्माण, प्रशासन और क्षेत्रीय समन्वय पर केंद्रित है। अलबत्ता, इसके गठन को लेकर जो वैश्विक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं उसमें अमेरिका के पिछलग्गू देश यानी पाकिस्तान, सऊदी अरब, कतर, तुर्की, यूएई जैसे 35 से अधिक देशों ने इसमें अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। जबकि चीन, फ्रांस, नॉर्वे, स्वीडन ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताकर खारिज कर दिया है। खास बात यह है कि भारत जैसे अहम वैश्विक खिलाड़ी ने फिलिस्तीन समर्थन और यूएन-आधारित दो-राज्य समाधान की नीति के चलते अभी इस पर चुप्पी साध रखी है। जहां तक गाजा पीस बोर्ड के भविष्य के निहितार्थ की बात है तो यह बोर्ड यूएनएससी के समानांतर वैकल्पिक तंत्र बन सकता है, जो वैश्विक संघर्षों में मध्यस्थता करेगा।

गाजा बोर्ड ऑफ पीस अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो गाजा संघर्ष को सुलझाने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर शांति स्थापना का एक नया मॉडल प्रस्तुत करती है। चूंकि यह बोर्ड संयुक्त राष्ट्र संघ के पारंपरिक ढांचे से बाहर काम करने का अदद प्रयास है, जिससे अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में नई बहस छिड़ गई है। खासकर वैश्विक कशमकश बढ़ चुकी है, जिसके वैश्विक प्रभाव आने वाले वक्त में महसूस किए जाएंगे। सवाल है कि आखिर अपनी ही बनाई पुरानी विश्व व्यवस्था की अनदेखी करते हुए अमेरिका बिल्कुल नई तरह की विश्व व्यवस्था क्यों बनाना चाहता है? ब्रेक के बाद वह अपनी ही नीतियों को क्यों बदल देता है। आखिर वह शेष दुनिया को अमेरिकी मुगालते में क्यों रखना चाहता है? आखिर चीन, रूस, भारत, फ्रांस, जर्मनी, नॉर्वे, स्वीडन जैसे कद्दावर देश ऐसे पीस बोर्ड से दूरी क्यों बनाए हुए हैं? खास बात यह कि आखिर गाजा बोर्ड ऑफ पीस के अंतर्राष्ट्रीय मायने क्या हैं? और इसके पीछे के वैश्विक निहितार्थ से किसको क्या फायदा और क्षति होने के कयास लगाये जा रहे हैं? आइए सबसे पहले इस बोर्ड के स्वरूप को जान लेते हैं। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने 2025 में इसकी शुरूआत की, जहां खुद ही वे ही यानी पदेन अमेरिकी राष्ट्रपति इसके प्रमुख होंगे और अन्य सदस्य देश तीन-तीन साल के लिए चुने जाएंगे। वहीं, इसकी स्थायी सदस्यता के लिए 1 अरब डॉलर का योगदान जरूरी है, जबकि कार्यकारी बोर्ड में मार्को रुबियो, जेरेड कुशनर जैसे नाम शामिल हैं। यह बोर्ड गाजा के पुनर्निर्माण, प्रशासन और क्षेत्रीय समन्वय पर केंद्रित है। अलबत्ता, इसके गठन को लेकर जो वैश्विक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं उसमें अमेरिका के पिछलग्गू देश यानी पाकिस्तान, सऊदी अरब, कतर, तुर्की, यूएई जैसे 35 से अधिक देशों ने इसमें अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। जबकि चीन, फ्रांस, नॉर्वे, स्वीडन ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताकर खारिज कर दिया है। खास बात यह है कि भारत जैसे अहम वैश्विक खिलाड़ी ने फिलिस्तीन समर्थन और यूएन-आधारित दो-राज्य समाधान की नीति के चलते अभी इस पर चुप्पी साध रखी है। जहां तक गाजा पीस बोर्ड के भविष्य के निहितार्थ की बात है तो यह बोर्ड यूएनएससी के समानांतर वैकल्पिक तंत्र बन सकता है, जो वैश्विक संघर्षों में मध्यस्थता करेगा। क्योंकि इसे यूएनओ ने 2027 तक सीमित मान्यता दी है, लेकिन रूस-चीन की असहमति से विवाद बढ़ा है। जबकि भारत जैसे उभरते गुटनिरपेक्ष देशों के लिए यह कूटनीतिक संतुलन की परीक्षा की घड़ी है। यही वजह है कि गाजा बोर्ड ऑफ पीस की अंतरराष्ट्रीय वैधता सीमित और विवादास्पद बनी हुई है, क्योंकि यह यूएनएससी प्रस्ताव 2803 (2025) से 2027 तक की अस्थायी मंजूरी पर टिकी है। देखा गया कि रूस-चीन जैसे देशों की असहमति से इसकी वैश्विक स्वीकार्यता कमजोर है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून पर सवाल उठाती है। जहां तक इसकी वैधता के आधार की बात है तो यूएनएससी ने इसे गाजा पुनर्निर्माण और विसैन्यीकरण के लिए अंतरिम वैधता प्रदान की, लेकिन यूएनओ के पूर्ण नियंत्रण के बिना। मसलन, बोर्ड को ₹अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यक्तित्व₹ दिया गया, जो फिलिस्तीनी तकनीशियनों की समिति और बहुराष्ट्रीय शांति बल के माध्यम से कार्य करता है। हालांकि, सदस्य चयन और जवाबदेही की कमी से इसकी आलोचना भी हो रही है। जहां तक गाजा पीस बोर्ड के संभावित प्रभाव की बात है तो यह यूएनओ के समानांतर तंत्र के रूप में यूएनओ की एकाधिकार को चुनौती दे सकता है, खासकर वैश्विक संघर्षों में। वहीं, ट्रंप की आजीवन अध्यक्षता जैसी संरचना से लंबे समय में वैधता संकट गहरा सकता है। जबकि भारत जैसे देशों की चुप्पी से बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रासंगिकता पर बहस तेज हो रही है। कहना न होगा कि रूस और चीन का गाजा बोर्ड ऑफ पीस में असहयोग अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों को कमजोर करता है, लेकिन बोर्ड की वैधता को पूरी तरह समाप्त नहीं करता। दरअसल यह असहमति बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रासंगिकता पर सवाल उठाती है और वैकल्पिक गठबंधनों को बढ़ावा दे सकती है। जहां तक इस बोर्ड के कानूनी आधार की बात है तो रूस-चीन ने बोर्ड को यूएन चार्टर के अनुच्छेद 2(4) के तहत ₹शक्ति राजनीति₹ का माध्यम बताकर खारिज किया, जो क्षेत्रीय संप्रभुता के हस्तक्षेप को प्रतिबंधित करता है। यूएनएससी प्रस्ताव 2803 की अस्थायी मंजूरी के बावजूद, इनकी वीटो शक्ति से स्थायी वैधता अवरुद्ध हो सकती है।

गणतंत्र के 76 वर्ष - संविधान की आत्मा और लोकतंत्र का यथार्थ

गणतंत्र का अर्थ है शासन तंत्र में जनता की भागीदारी। हालांकि हम कह सकते हैं कि शासन तंत्र में जनता को पूर्ण भागीदारी मिली है किन्तु क्या यह वाकई पूर्ण सत्य है? देश का संविधान लागू होने के इन 76 वर्षों में भी क्या वास्तव में शासन तंत्र में जनता की भागीदारी सुनिश्चित हुई है? जनता को यह तो अधिकार है कि मतदान के जरिये वह अपना जनप्रतिनिधि चुने किन्तु एक बार संसद अथवा विधानसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद अगले पांच वर्षों तक इन जनप्रतिनिधियों पर उसका क्या कोई अंकुश रह जाता है? वास्तविकता यही है कि इसी प्रावधान का लाभ उठाते हुए राजनीतिक दल देश की जनता का चुनाव के समय महज एक वोटबैंक के रूप में इस्तेमाल करते आए हैं और अपना मतलब निकलने पर जनप्रतिनिधियों पर जनता के दुख-दर्द के बजाय अपने लिए सुख-सुविधाओं का अंबार जुटाने की चिंता सवार हो जाती है और वे इसी कवायद में जुट जाते हैं कि येन-केन-प्रकारेण अगले चुनाव के लिए कैसे करोड़ों रुपयों का इंतजाम किया जाए। अहम सवाल यह है कि जिस राष्ट्र में जनता की भागीदारी चुनाव में सिर्फ वोट डालने और उसके बाद चुने हुए जनप्रतिनिधियों के आचरण से शर्मसार होकर आंसू बहाने तक ही सीमित रह गई हो, वहां गणतंत्र का भला क्या महत्व रह गया है? खासतौर से ऐसी स्थिति में, जब गरीबी व भुखमरी से त्रस्त करोड़ों लोग चंद रुपयों की खातिर या लाखों लोग महज दो-चार शराब की बोतलों के लिए अपने वोट बेच डालते हों या ईवीएम के दौर में भी कुछ मतदान केन्द्रों पर गुंडागर्दी के बल पर वोट डलवाये जाते हों?

प्रतिवर्ष की भांति एक बार फिर गणतंत्र दिवस हमारी राष्ट्रीय चेतना के द्वार पर उपस्थित है। यह दिन प्रत्येक राष्ट्रप्रेमी के लिए स्वाभाविक रूप से गौरव और आत्मसम्मान का प्रतीक है क्योंकि 26 जनवरी 1950 को भारत ने औपनिवेशिक दासता से मुक्त होकर अपने ही द्वारा निर्मित संविधान को आत्मसात किया था और स्वयं को प्रभुता संपन्न, सार्वभौमिक, प्रजातंत्रात्मक गणराज्य घोषित किया था। यह केवल एक संवैधानिक घटना नहीं थी बल्कि भारत की ऐतिहासिक चेतना, संघर्षशील आत्मा और स्वशासन की आकांक्षा का औपचारिक उद्घोष था। किन्तु इस ऐतिहासिक गौरव के समानांतर एक कड़वा यथार्थ भी हमारे सामने खड़ा है। समय के साथ गणतंत्र दिवस का महान उद्देश्य धीरे-धीरे औपचारिकताओं और रस्म अदायगी तक सीमित होता चला गया है। जिस भावना के साथ 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाने की परंपरा आरंभ हुई थी, उसका मूल आशय था कि प्रत्येक नागरिक इस दिन संविधान की गरिमा की रक्षा, राष्ट्रहित के प्रति निष्ठा और देशसेवा के प्रति अपने दायित्वों को न केवल दोहराए बल्कि उन्हें अपने आचरण में भी उतारे। विडंबना यह है कि आज हम इस गौरवपूर्ण अवसर पर संवैधानिक मूल्यों के प्रति संकल्प लेने के बजाय मात्र उन्हें स्मरण कर आत्मसंतोष कर लेते हैं। झंडारोहण, परेड और भाषणों के बाद जैसे हमारे कर्त्तव्य और उत्तरदायित्व समाप्त हो जाते हैं। गणतंत्र दिवस यदि केवल उत्सव बनकर रह जाए और संवैधानिक चेतना व्यवहार में न उतरे तो यह गणतंत्र की आत्मा के साथ अन्याय ही कहा जाएगा। सही मायनों में गणतंत्र की मूल भावना को हमने आज तक समझा ही नहीं है। गणतंत्र का अर्थ है शासन तंत्र में जनता की भागीदारी। हालांकि हम कह सकते हैं कि शासन तंत्र में जनता को पूर्ण भागीदारी मिली है किन्तु क्या यह वाकई पूर्ण सत्य है? देश का संविधान लागू होने के इन 76 वर्षों में भी क्या वास्तव में शासन तंत्र में जनता की भागीदारी सुनिश्चित हुई है? जनता को यह तो अधिकार है कि मतदान के जरिये वह अपना जनप्रतिनिधि चुने किन्तु एक बार संसद अथवा विधानसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद अगले पांच वर्षों तक इन जनप्रतिनिधियों पर उसका क्या कोई अंकुश रह जाता है? वास्तविकता यही है कि इसी प्रावधान का लाभ उठाते हुए राजनीतिक दल देश की जनता का चुनाव के समय महज एक वोटबैंक के रूप में इस्तेमाल करते आए हैं और अपना मतलब निकलने पर जनप्रतिनिधियों पर जनता के दुख-दर्द के बजाय अपने लिए सुख-सुविधाओं का अंबार जुटाने की चिंता सवार हो जाती है और वे इसी कवायद में जुट जाते हैं कि येन-केन-प्रकारेण अगले चुनाव के लिए कैसे करोड़ों रुपयों का इंतजाम किया जाए। अहम सवाल यह है कि जिस राष्ट्र में जनता की भागीदारी चुनाव में सिर्फ वोट डालने और उसके बाद चुने हुए जनप्रतिनिधियों के आचरण से शर्मसार होकर आंसू बहाने तक ही सीमित रह गई हो, वहां गणतंत्र का भला क्या महत्व रह गया है? खासतौर से ऐसी स्थिति में, जब गरीबी व भुखमरी से त्रस्त करोड़ों लोग चंद रुपयों की खातिर या लाखों लोग महज दो-चार शराब की बोतलों के लिए अपने वोट बेच डालते हों या ईवीएम के दौर में भी कुछ मतदान केन्द्रों पर गुंडागर्दी के बल पर वोट डलवाये जाते हों? हालांकि इसमें कोई संशय नहीं कि हमें विशुद्ध रूप में एक प्रजातांत्रिक संविधान प्राप्त हुआ है, जिसमें प्रत्येक वर्ग, प्रत्येक समुदाय, प्रत्येक सम्प्रदाय के लोगों के लिए बराबरी के अधिकार के साथ-साथ व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से कुछ मूलभूत स्वतंत्रताओं की व्यवस्था भी की गई है, प्रत्येक नागरिक के लिए मूल अधिकारों का प्रावधान किया गया है किन्तु गणतांत्रिक भारत में पिछले 76 वर्षों के हालातों का विवेचन करें तो यही पाते हैं कि हमारे कर्णधार एवं नौकरशाह किस प्रकार संविधान के कुछ प्रावधानों के लचीलेपन का अनावश्यक लाभ उठाकर कदम-कदम पर लोकतांत्रिक मूल्यों को तार-तार करते रहे हैं। निसंदेह इससे लोकतंत्र की गरिमा प्रभावित होती रही है। संविधान निमार्ताओं ने कभी इस बात की कल्पना नहीं की होगी कि जिन लोगों के कंधों पर संविधान को लागू कराने की जिम्मेदारी होगी, वही इसके प्रावधानों का मखौल उड़ाते नजर आएंगे। ऐसी दयनीय परिस्थितियों को देखकर निश्चित रूप से संविधान निमार्ताओं की आत्मा खून के आंसू रोती होगी। वक्त-बेवक्त संसद और विधानसभाओं के भीतर होती गुंडागर्दी सरीखी घटनाएं दुनियाभर में हमें शर्मसार करती रही हैं। जिस राष्ट्र में कानून बनाने वाले और देश चलाने वाले लोग ही असभ्य हरकतें करने लगें, वहां अपराधों पर अंकुश लगाने की किससे अपेक्षा की जाए? संसद-विधानसभा सरीखे लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिरों में अपराधियों व बाहुबलियों का निर्बाध प्रवेश क्या एक स्वस्थ लोकतंत्र का संकेत है? चुनाव जीतने के लिए आज हर राजनीतिक दल में ऐसे लोगों को पार्टी में शामिल करने, चुनाव जीतने के लिए उनका इस्तेमाल करने के अलावा उन्हें ही पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़वाकर अपनी सीटें बढ़ाने के फेर में ऐसे दागी लोगों को लोकतंत्र के मंदिरों में प्रवेश दिलाने की होड़ सी लगी है। संसद और विधानसभाओं में धड़ाधड़ प्रवेश पाते अपराधियों का संख्या बल देखें तो यह प्रजातंत्र या गणतंत्र कम, अपराधतंत्र अधिक लगने लगा है।

बांग्लादेश विवाद पर कूदे शाहिद अफरीदी आईसीसी की विश्वसनीयता पर खड़े किए सवाल

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने बांग्लादेश मामले को लेकर आईसीसी की आलोचना की है। अफरीदी ने बांग्लादेश को विश्व कप से बाहर करने पर सवाल खड़े किए हैं। टी20 विश्व कप को लेकर हुए बांग्लादेश विवाद पर अब पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी भी कूद पड़े हैं। अफरीदी ने बांग्लादेश को विश्व कप से बाहर किए जाने को लेकर आईसीसी को घेरा है और उसकी विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। बांग्लादेश ने सुरक्षा का हवाला देकर आईसीसी से उसके मैच भारत के बजाए श्रीलंका में कराने की मांग की थी, लेकिन आईसीसी ने उसकी मांग खारिज कर दी थी। बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को किया था शामिल बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को 23 जनवरी को 24 घंटे की समय सीमा दी गई थी कि वह पुष्टि करे कि उसकी टीम निर्धारित समय पर भारत जाएगी या नहीं। हालांकि, निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई जवाब न मिलने पर आईसीसी ने स्कॉटलैंड को प्रतिस्थापन टीम के रूप में घोषित कर दिया। बांग्लादेश को बाहर किए जाने पर पाकिस्तान को बहुत तकलीफ हो रही है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने भी इसे लेकर नाराजगी जताई थी और अब अफरीदी भी इस विवाद में कूद पड़े हैं।

माही विज ने बेटी तारा के लिए खरीदी 50 लाख की मिनी कूपर

टीवी एक्ट्रेस माही विज पति व एक्टर जय भानुशाली से तलाक के बाद टूटकर घर नहीं बैठीं, बल्कि और मजबूत होकर दुनिया के सामने आई हैं। लोगों ने जय संग 15 साल की शादी टूटने के बाद माही को तोड़ने की खूब कोशिश की और उन्हें लेकर कई तरह की फालतू बातें की, लेकिन एक्ट्रेस ने लोगों की हर बात का जवाब हर नई अचीवमेंट से दिया। तलाक के बाद माही ने पहले अपने लिए एक कार खरीदी, फिर नए अपार्टमेंट की झलक फैंस के साथ शेयर की और अब उन्होंने अपनी लाडली बेटी तारा को एक लग्जरी गिफ्ट दिया है, जिसके बाद फिर से उन्हें ट्रोल करने वालों की आंखें खुली और मुंह बंद रह गए हैं। माही विज ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया है कि एक वक्त पर उनकी बेटी ने उनसे एक खास गिफ्ट की डिमांड की थी, जिसे अब वो पूरा कर रही हैं। दरअसल, माही ने अपनी बेटी तारा के लिए मिनी कूपर खरीदी है, जिसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपए बताई जा रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा, जब मेरी बेटी सिर्फ चार साल की थी, उसने एक मिनी कूपर देखकर कहा था, मम्मा, मुझे एक दिन ये कार चाहिए। उस वक्त न तो मैं इसे खरीद सकती थी और न ही मुझे लगता था कि बच्चे को ऐसी चीज देना जरूरी है। लेकिन सपनों की कोई उम्र की सीमा नहीं होती। इच्छाओं पर कोई प्राइस टैग नहीं लगा होता। माही ने आगे लिखा कि आज, मैं इसे खरीद सकती हूं। और मुझे एक बात समझ में आई-यह लग्जरी के बारे में बिल्कुल नहीं है। यह उसकी इच्छा के बारे में है। यह एक ऐसी याद के बारे में है जिसे वह हमेशा अपने दिल में रखेगी। यह एक माँ के अपनी बेटी से यह कहने के बारे में है, तुम्हारे सपने मायने रखते हैं। और अगर मैं कर सकती हूँ, तो मैं उन्हें सच करूँगी। एक्ट्रेस ने कहा- तो मैं यहाँ हूँ, अपनी छोटी बेटी को उसकी पसंदीदा कार दे रही हूंकुउसे बिगाड़ने के लिए नहीं, बल्कि उसे एक पल, एक कहानी, एक याद देने के लिए जिसे वह पूरी जिंदगी याद रखेगी। हमारी साथ में छोटी-छोटी ड्राइव, हमारी हँसी, हमारा समयकुयह अनमोल है। खास बात यह है कि माही के साथ उनके एक्स पति जय भानुशाली भी उनकी इस खुशी में शामिल हैं। उन्होंने पोस्ट पर कमेंट करते हुए इस कार के लिए उन्हें बधाई दी है।

वो मुझसे भी ज्यादा नर्वस थे..दिव्या दत्ता को याद आया इरफान खान संग इंटीमेट सीन, बताया-शूट से पहले छत पर छिप गए थे

एक्ट्रेस दिव्या दत्ता फिल्म इंडस्ट्री की एक जानी मानी एक्ट्रेस हैं, जो न सिर्फ अपने काम बल्कि कई वजहों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। वहीं, हाल ही में दिव्या दत्त एक इंटरव्यू में दिवंगत एक्टर इरफान खान के साथ 2010 की फिल्म ह्यहिस्सह्न की शूटिंग का एक किस्सा याद करती नजर आईं। एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे उन्हें फिल्म में एक इंटमेट सीन की शूटिंग के दौरान इमरान उनसे भी ज्यादा असहज महसूस कर रहे थे। हाल ही में इंटरव्यू में दिव्या दत्ता ने बताया कि उस समय इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर सेट पर मौजूद नहीं था। उनके को-स्टार इरफान इस सीन को लेकर उनसे ज्यादा नर्वस थे और शूट से पहले छत पर छिपे हुए थे। हालांकि, दोस्त होने की वजह से शूट करना काफी आसान हो गया था।

दिव्या दत्ता ने बताया कि मैं इंटीमेट सीन को लेकर बहुत नर्वस थी, लेकिन यह सीन बहुत खूबसूरत था। सीन में एक बिना बच्चे वाले कपल को दिखाया गया था, जो रो रहे हैं और प्यार कर रहे हैं। यह सच में एक भावनात्मक और खूबसूरत सीन था। हमारी डायरेक्टर जेनिफर लिंच थीं, जो डेविड लिंच की बेटी हैं। सेट पर आधे लोग बाहर से आए थे और आधे हमारे अपने लोग थे। एक्ट्रेस ने बताया कि सेट पर हर कोई उम्मीद कर रहा था कि सीन अच्छा निकले। वह सोच रही थीं, मैं क्या करूं? क्या करूं? क्योंकि उस समय इंटिमेसी डायरेक्टर नहीं होते थे। उन्होंने याद किया कि इरफान कहां हैं, यह जानने पर पता चला कि वह छत पर छिपे हुए थे, और उनसे भी ज्यादा नर्वस थे। मैंने पूछा, सुनिए इरफान कहां हैं? डायरेक्टर ने कहा, ह्यवो छत पर बैठे हैं, तुमसे भी ज्यादा नर्वस हैं। एक्ट्रेस ने कहा, श्आपको देखना होता है कि आपका को-स्टार आराम से है। उस समय आपकी दोस्ती बहुत काम आती है।बता दें, दिव्या दत्ता और इरफान खान दुबई रिटर्न (2005), ह्यहिस्सह्न (2010) और ब्लैकमेल (2018) जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं।

महात्मा बुद्ध की इस कहानी से जानिए कहां खुलता है स्वर्ग-नरक का असली दरवाजा ?

एक दिन गांव में एक वृद्ध पुरुष की मृत्यु हो गई। उसका पुत्र चाहता था कि उसके पिता की आत्मा को स्वर्ग में स्थान मिल जाए। इस उद्देश्य के साथ वह युवक भगवान बुद्ध के पास गया और अपनी चिंता जाहिर की। उसने महात्मा बुद्ध से कहा, ह्लकृप्या कोई ऐसा उपाय बताएं ताकि मेरे पिता की आत्मा को स्वर्ग में स्थान प्राप्त हो जाए।ह्वबुद्ध ने उसे कहा, ह्लऐसा करो, तुम दो मिट्टी के घड़े ले आना, एक में पत्थर भरकर और दूसरे में घी। उन दोनों घड़ों को नदी के बीच ले जाकर फोड़ देना, उसके बाद जो परिणाम आए, मुझे आकर बताना। युवक ने वही किया जो महात्मा बुद्ध ने उसे कहा था। वह नदी में उन दो घड़ों को लेकर गया जिनमें पत्थर और घी था। जब उसने पत्थरों वाले घड़े को फोड़ा तो सभी पत्थर पानी में डूब गए। वहीं जब उसने घी वाला घड़ा तोड़ा तो वह भी फूट गया और नदी का बहाव घी को अपने साथ बहाकर ले गया। अगले दिन वह व्यक्ति दोबारा भगवान बुद्ध के पास गया और उन्हें सारी घटना का ब्यौरा दिया। बुद्ध ने उसे कहा,ह्ल क्या कोई कर्मकांड ऐसा कर सकता है, जिससे कि पत्थर पानी में तैरने लगे या घी सतह पर ही रुक जाए?ह्वयुवक ने जवाब दिया, ह्ययह तो संभव नहीं है, पत्थर तो डूबेंगे ही और घी भी बहते पानी के साथ बह जाएगा।ह्वइस पर महात्मा बुद्ध ने जवाब दिया, ह्लतुम्हारे पिता की आत्मा के साथ भी ऐसा ही है। आपके कर्म ही आपकी आत्मा को स्वर्ग या नर्क में स्थान दिलवाते हैं, अगर उन्होंने अच्छे कर्म किए हैं तो उनकी आत्मा स्वर्ग की ओर प्रस्थान करेगी अन्यथा नर्क की ओर, किसी कर्मकांड से उनके कर्म बदले नहीं जा सकते।

आरजे महवश को अनफॉलो करने के बाद नई लड़की के साथ नजर आए चहल

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में वह तब सुर्खियों में आए जब वह शेफाली बग्गा के साथ नजर आए। शनिवार शाम को दोनों को मुंबई में एक साथ देखा गया। हालांकि उनके साथ घूमने का मकसद अभी पता नहीं चला है। इस वीडियो ने यूजर्स की उत्सुकता बढ़ा दी है।शेफाली बग्गा के साथ नजर आए युजवेंद्र चहल वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि युजवेंद्र चहल शेफाली बग्गा के साथ एक इमारत से निकल रहे थे। दोनों ने अलग-अलग पोज दिए। जब पैपराजी ने उनसे एक साथ पोज देने के लिए कहा तो उन्होंने मना कर दिया। यह वीडियो अब वायरल हो गया है। कौन हैं शेफाली बग्गा?आपको बता दें कि शेफाली बग्गा एक एंकर और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी हैं। उनके इंस्टाग्राम के मुताबिक वह एक एक्ट्रेस भी हैं। बग्गा 'बिग बॉस 13' में हिस्सा लेने के लिए जानी जाती हैं। युजवेंद्र और महवश ने एक-दूसरे को अनफॉलो किया युजवेंद्र चहल का नाम शेफाली बग्गा से जुड़ने से पहले आरजे महवश से जुड़ा था। दोनों के इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो करने की खबरें वायरल हो गईं। वे अब इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे की फॉलोइंग लिस्ट में नहीं हैं। युजवेंद्र चहल और महवश दोनों ने ही अनफॉलो करने की खबरों पर कुछ नहीं कहा है।

नहीं रहे फेमस म्यूजिक डायरेक्टर और कंपोजर अभिजीत मजूमदार, कई महीनों से थे बीमार

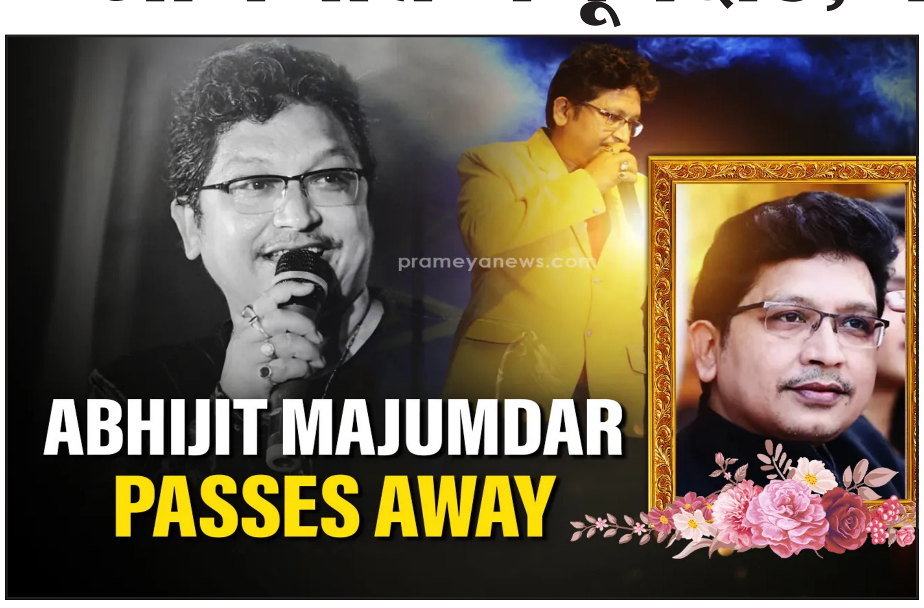

मनोरंजन जगत से हाल ही में एक दिल तोड़ देने वाली खबर सामने आ रही हैं। मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर और कंपोजर अभिजीत मजूमदार अब इस दुनिया में नहीं रहे। काफी महीनों से बीमार अभिजीद जिंदगी की जंग हार गए और 25 जनवरी को इस दुनिया को अलविदा कह गए हैं। 54 साल की उम्र में कंपोजर के निधन की खबर से म्यूजिक इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है और उनके फैंस भी काफी भावुक नजर आ रहे हैं। अभिजीत मजूमदार कई महीनों से बीमार थे और उनका एम्स भुवनेश्वर में इलाज चल रहा था, लेकिन लंबे इलाज के बाद भी वो बच नहीं पाए और आज रविवार को इस दुनिया को अलविदा कह गए। अभिजीत मजूदार की 27 अगस्त, 2025 को अचानक तबीयत बिगड़ी थी। पहले उन्हें कटक के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां जांच में उनके सोडियम लेवल में भारी गिरावट पाई गई। हालत गंभीर होने पर 31 अगस्त को उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया था। इसके बाद ज्यादा सीरियस होने पर उन्हें 4 सितम्बर को एम्स भुवनेश्वर के इमरजेंसी वार्ड लाया गया। उस समय वे कोमा जैसी स्थिति में थे। उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया और फिर वेंटिलेटर पर शिफ्ट किया गया। एम्स के अधिकारियों ने पुष्टि की कि उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। कई विभागों की एक मेडिकल टीम उनकी देखभाल में लगी हुई थी। 21 सितंबर 2025 को उन्हें वेंटिलेटर से हटा दिया गया था, मगर उनका सेंट्रल नर्वस सिस्टम अभी भी गंभीर हालत में था। इसके चलते उन्हें आईसीयू में ही रखा गया। सितंबर के आखिर में जब थोड़ा सुधार दिखा तो अभिजीत को आईसीयू से बाहर शिफ्ट किया गया था। मगर, उनका इलाज एम्स में जारी रहा। इसके बाद अक्तूबर में अभिजीत की सेहत में फिर ढीली हो गई और उन्हें एम्स में आईसीयू केयर में वापस भेज दिया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें वेंटिलेटर से हटाया जा रहा था, मगर वे कोमा में थे। उनकी सेहत को लेकर चिंताएं और बढ़ने लगीं। नवंबर में अभिजीत को लेकर खबरें आईं कि उन्हें स्वास्थ्य सुधार हो रहा है। 31 दिसंबर 2025 को भी बताया गया कि उनकी सेहत में और सुधार हुआ है और वो जल्द ही एम्स से डिस्चार्ज हो सकते हैं, लेकिन वो पूरी तरह ठीक नहीं हो पाए और 25 जनवरी को उन्होंने जिंदगी की आखिरी सांस ली और सबको हमेशा के लिए अलविदा कह गए। अभिजीत मजूमदार ने अपने तीन दशकों के करियर में 700 से अधिक गाने कंपोज किए थे। उन्होंने न केवल फिल्मों में बल्कि म्यूजिक एलबम्स में भी कई सुपरहिट धुनें दीं। उनका लव स्टोरी, सिस्टर श्रीदेवी, गोलमाल लव, सुंदरगढ़ रा सलमान खान और श्रीमान सूरदास जैसी फिल्मों का संगीत आज भी लोगों को काफी पसंद आता है।

सालगिरह पर रिद्धिमा ने शेयर किया 20 साल पुराना वीडियो, बेटी को वेन्यू तक ले जाते ऋषि कपूर की झलक देख भावुक हुए फैंस

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर आज 25 जनवरी को अपने पति भरत साहनी संग शादी की 20वीं सालगिरह मना रही हैं। इस खास मौके को और भी भावुक बनाते

हुए रिद्धिमा कपूर ने अपनी शादी का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसने फैंस और कपूर परिवार के चाहने वालों की आंखें नम कर दी हैं। रिद्धिमा द्वारा शेयर किए गए इस वीडियो क्लिप में उनके दिवंगत पिता ऋषि कपूर की झलक दिखाई देती है। वीडियो में देखा जा सकता है कि वरमाला की रस्म के दौरान ऋषि कपूर अपनी बेटी के साथ मंच पर मौजूद हैं, जबकि वह अपने दामाद भरत साहनी का हाथ थामकर उन्हें वेन्यू तक लेकर आते नजर आते हैं। इसके अलावा, रणबीर कपूर भी वीडियो में दिखाई देते हैं, जो फूलों की चादर थामे हुए अपनी बहन रिद्धिमा का हाथ पकड़कर उन्हें स्टेज तक लेकर जाते हैं। वीडियो में कपूर परिवार के कई अन्य सदस्यों की भी झलक देखने को मिलती है, जिसने इस पल को और भी खास बना दिया है। इस वीडियो के साथ रिद्धिमा कपूर ने कैप्शन में लिखा-20 साल पहले, मेरे माता-पिता ने मेरा हाथ थामा और अपने प्यार, आशीर्वाद और दुआओं के साथ मुझे एक नई जिंदगी में भेजा। आज मेरे पास जो कुछ भी है, वह उन्हीं की वजह से है। और, भरत तुममें मुझे एक ऐसा पार्टनर मिला, जो हमेशा मेरे साथ खड़ा रहा। मेरा हाथ, मेरा दिल और हमारी जिंदगी एक साथ थामे हुए। हमारी यात्रा को इतना यादगार बनाने और हमारे घर को प्यार से भरने के लिए शुक्रिया। इतने वर्षों बाद भी, हमने जो जिंदगी एक साथ बनाई है, वह आज भी मेरे चेहरे पर वही मुस्कान लाती है। 20 साल का प्यार, तरक्की और साथ। आज भी हर दिन तुम्हें ही चुनती हूं। हमें सालगिरह मुबारक। जैसे ही यह वीडियो सामने आया, सोशल मीडिया पर यूजर्स भावुक हो गए। खासतौर पर ऋषि कपूर की मौजूदगी ने लोगों को भावनाओं से भर दिया। फैंस ने कमेंट्स में लिखा कि पिता-बेटी का यह रिश्ता बेहद खास था और ऐसे पलों को देखना दिल को छू जाता है। रिद्धिमा के अलावा भरत साहनी ने भी अपनी शादी की सालगिरह पर एक खास पोस्ट शेयर किया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा कि कुछ लोग कहते हैं कि रिद्धिमा उन्हें 20 सालों से झेल रही हैं, तो कुछ लोग इसका उल्टा मानते हैं। उन्होंने लिखा-कुछ लोग कहते हैं कि यह रिद्धिमा 20 वर्षों से मुझे झेल रही है। कुछ लोग कहेंगे कि इसका उल्टा हुआ है। चाहे जो भी हो, हम दोनों ने मिलकर जितने भी उतार-चढ़ाव देखे हैं, जिंदगी ने हमें जो भी दिया है, उसके लिए हम तालियों के हकदार हैं। हमारी जब शादी हुई, तब हम असल में बच्चे थे। बिना किसी रियल लाइफ स्किल्स के और अनलिमिटेड कॉन्फिडेंस के साथ। वह दिल्ली चली आई, किसी को नहीं जानती थी और उसे मेरी पत्नी के नाम से जाना जाता था। 20 साल बाद, अब मैं कहीं जाता हूं तो लोग कहते हैं, ओह... तुम रिद्धिमा के पति होश। वैसे, यह मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा अपग्रेड है। तुम पर गर्व है रिद्धिमा। हमने जो जिंदगी बनाई है, उसके लिए शुक्रगुजार हूं और हमारी मास्टरपीस समारा के लिए हमेशा शुक्रगुजार हूं। शादी की 20वीं सालगिरह मुबारक हो। अभी भी तुम्हारे लिए पागल हूं। कपल के इन पोस्ट्स पर कपूर परिवार और बॉलीवुड से जुड़े कई सितारों ने उन्हें बधाइयां दीं। करीना कपूर खान, मनीष मल्होत्रा, नीतू कपूर समेत कई सेलेब्स ने रिद्धिमा और भरत को उनकी 20वीं वेडिंग एनिवर्सरी पर शुभकामनाएं दीं।

1971 के युद्ध में शहीद हुए निर्मलजीत सिंह सेखों के परिवार से मिले बॉर्डर 2 एक्टर सनी देओल, शेयर की तस्वीर

एक्टर सनी देओल इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म 23 जनवरी को पर्दे पर रिलीज हुई है, जिसमें वह दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी और वरुण धवन जैसे स्टार्स के साथ नजर आए हैं। यह फिल्म साल 1971 के भारत-पाक युद्ध पर आधारित है। ऐसे में हाल ही में सनी देओल ने 1971 के युद्ध में शहीद हुए निर्मलजीत सिंह सेखों के परिवार से मुलाकात की, जिसकी तस्वीर उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर की है। सनी देओल ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह निर्मलजीत सिंह के परिवार के सदस्य के साथ नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा-हमारे हीरो परमवीर चक्र फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों के परिवार से मिलना मेरे लिए खुशी की बात थी। फिल्म बॉर्डर 2 में इनका रोल दिलजीत दोसांझ कर रहे हैं, जिनकी बेमिसाल बहादुरी की सच्ची कहानी आप फिल्म में देखेंगे। उनके परिवार से मिलना बहुत अच्छा और यादगार था। सनी देओल ने आगे लिखा है, फिल्म बॉर्डर 2 उन सभी सैनिकों और उनके परिवारों को सलाम है, जो चुपचाप हिम्मत से अपनी विरासत को आगे बढ़ाते हैं। बता दें, निर्मलजीत सिंह सेखों ने 1971 के युद्ध में श्रीनगर एयरफील्ड पर पाकिस्तानी जेट हमलों का अकेले मुकाबला किया था। उन्होंने पाकिस्तान के छह फाइटर जेट खदेड़कर भारत माता की सुरक्षा की थी और महज 26 वर्ष की आयु में देश के लिए शहीद हो गए थे। मरणोपरांत उन्हें सर्वोच्च सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। फिल्म में दिलजीत दोसांझ शहीद निर्मलजीत का किरदार निभाते नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि फिल्म बॉर्डर 2 साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म श्बॉर्डरश का सीक्वल है। 23 जनवरी को रिलीज हुई इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर 30 करोड़ रुपये कमाए और दूसरे दिन 36.5 करोड़ का कारोबार किया।

एक मैच के बाद ही बुमराह को आराम देने पर भड़का ये पूर्व बल्लेबाज टीम प्रबंधन पर खड़े किए सवाल

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है। इसके दूसरे मैच में भारत ने जसप्रीत बुमराह को आराम दिया था, लेकिन टीम प्रबंधन का यह फैसला पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ को रास नहीं आया। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से आराम देने पर पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने सवाल खड़े किए हैं। बुमराह ने पहले मैच से मैदान पर वापसी की थी क्योंकि वह कीवी टीम के खिलाफ वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं थे। अगले महीने की शुरूआत में टी20 विश्व कप का आयोजन होना है और इसे देखते हुए ही बुमराह के कार्यभार प्रबंध पर काफी निगरानी रखी जा रही है। दूसरे मैच में हर्षित ने ली थी बुमराह की जगह बुमराह ने पहले मैच में हिस्सा लिया था, लेकिन दूसरे टी20 में उन्हें आराम दिया गया। उनकी जगह हर्षित राणा ने ली थी। अब भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा टी20 मैच रविवार को खेला जाएगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि इस मैच के लिए बुमराह को प्लेइंग-11 में जगह मिलती है या नहीं। इस बीच कैफ ने बुमराह को मिल रहे ब्रेक पर सवाल खड़े किए हैं। कैफ ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर कहा, किस बात का आराम? किस काम का बोझ? क्या वो बहुत खेलने के बाद वापस आए हैं? वो तो पहले ही पूरा आराम कर चुके हैं। नहीं, नहीं, ये बात मुझे समझ नहीं आ रही। अगर आप आराम देना चाहते हैं तो अर्शदीप सिंह को आराम दीजिए। अगर आप हर्षित राणा को टीम में लाना चाहते हैं, अगर अक्षर पटेल चोटिल हैं

इमिग्रेशन कार्रवाई के दौरान मिनियापोलिस में फेडरल एजेंट्स की गोलीबारी, अमेरिकी नागरिक की मौत

अमेरिका: अमेरिका के मिनियापोलिस शहर में इमिग्रेशन प्रवर्तन अभियान के दौरान संघीय एजेंटों द्वारा की गई गोलीबारी में एक 37 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक मिनियापोलिस का निवासी और अमेरिकी नागरिक था। इस घटना के बाद शहर में विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सशस्त्र फेडरल एजेंट्स को वापस बुलाने की मांग उठने लगी है।मिनियापोलिस के पुलिस प्रमुख ब्रायन ओहारा ने शनिवार को पुष्टि की कि व्यक्ति को गोली लगने के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि शुरूआती जानकारी के अनुसार मृतक वैध हथियार लाइसेंस धारक था और उसके पास हथियार रखने की अनुमति थी। घटना उस समय हुई जब ट्रंप प्रशासन के निर्देश पर मिनियापोलिस में इमिग्रेशन छापों के तहत बड़ी संख्या में फेडरल एजेंट्स तैनात किए गए हैं। अल जजीरा के अनुसार, मिनेसोटा के गवर्नर टिम वॉल्ज ने इन कार्रवाइयों की कड़ी आलोचना करते हुए इसे इमिग्रेशन प्रवर्तन से हटकर संगठित क्रूरता का अभियान बताया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि कई फेडरल अधिकारी एक व्यक्ति को जमीन पर दबोचे हुए हैं, जिसके कुछ ही क्षण बाद गोलियों की आवाज सुनाई देती है। वहीं, होमलैंड सिक्योरिटी विभाग का दावा है कि बॉर्डर पेट्रोल एजेंट ने उस व्यक्ति को गोली मारी, जो कथित तौर पर हथियार के साथ था और आत्मसमर्पण नहीं कर रहा था। हालांकि, एक अन्य वीडियो में व्यक्ति के हाथ में मोबाइल फोन दिखाई दे रहा है, जिससे घटना को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। इस गोलीबारी ने अमेरिका में इमिग्रेशन नीति और फेडरल एजेंसियों की कार्यशैली पर एक बार फिर बहस छेड़ दी है।

बांग्लादेश में हिंदू युवक की जिंदा जलकर मौत

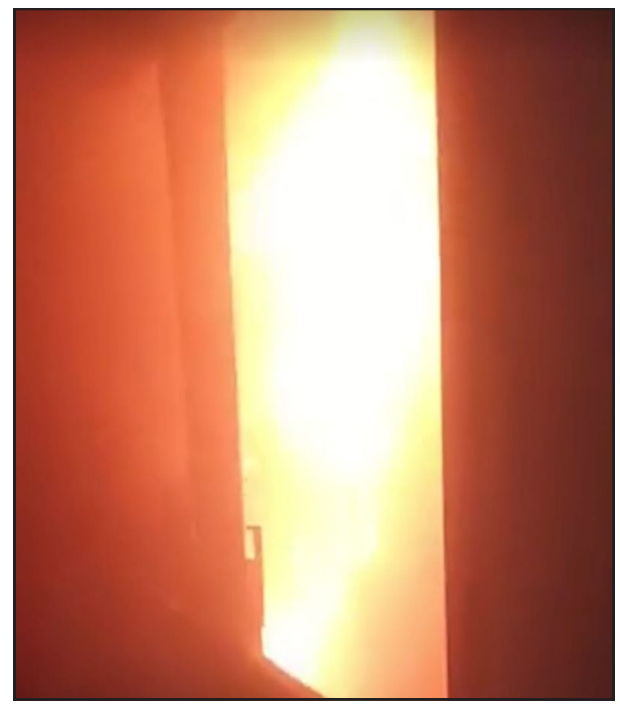

बांग्लादेश: बांग्लादेश के नरसिंदी जिले में 25 वर्षीय हिंदू युवक की आग लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान चंचल भौमिक के रूप में हुई है। यह घटना शुक्रवार रात की है, जब वह एक दुकान के गैरेज में सो रहा था। आग लगने की घटना में युवक की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आग दुकान के अंदर से लगी, लेकिन सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति को घटना से पहले इलाके में घूमते हुए देखा गया है, जिससे साजिश की आशंका जताई जा रही है। नरसिंदी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अब्दुल्ला अल फारूक ने समाचार एजेंसी एएनआई से फोन पर बातचीत में बताया कि पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज एकत्र कर ली है। उन्होंने कहा कि यह जांच की जा रही है कि आग किसी बाहरी कारण से लगाई गई या फिर यह बिजली के शॉर्ट सर्किट का मामला है। एसपी ने बताया कि आग दुकान के अंदर लगी थी और दमकल कर्मियों ने शटर तोड़कर युवक को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन तब तक उसका शरीर पूरी तरह झुलस चुका था। फिलहाल मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और जांच जारी है।

अमेरिकी शर्तें मानने पर बची वेनेजुएला के मंत्रियों की जान

अमेरिका: वेनेजुएला की कार्यकारी राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज का एक वीडियो लीक हुआ है। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक इसमें रोड्रिग्ज दावा कर रही हैं कि अमेरिका ने जब तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ा, तब उन्हें और उनके कैबिनेट मेंबर्स को सिर्फ 15 मिनट का वक्त दिया था। उनसे कहा गया कि अगर उन्होंने अमेरिका की शर्तें नहीं मानी तो सबको गोली मार दी जाएगी। ये बातें करीब दो घंटे चली एक बैठक की लीक रिकॉर्डिंग में सामने आई हैं। यह बैठक अमेरिका की सैन्य कार्रवाई के सात दिन बाद वेनेजुएला में हुई थी। इस वीडियो को सबसे पहले स्थानीय पत्रकारिता समूह ला होरा दे वेनेजुएला ने रिपोर्ट किया। यह बैठक एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म पर रिकॉर्ड की गई लगती है। इसमें रोड्रिग्ज सरकार समर्थक इन्फ्लुएंसर के सामने अपनी दलील दे रही हैं। इस दौरान कमरे में कुछ लोग मौजूद थे, जबकि कुछ लोग ऑनलाइन जुड़े थे। यह साफ नहीं है कि यह रिकॉर्डिंग लीक कैसे हुई।संचार मंत्री ने रोड्रिग्ज का बचाव किया वीडियो में छह मिनट तक बोलने वाली रोड्रिग्ज कहती हैं, ॡइन हालात में जिम्मेदारी संभालना दर्दनाक था।ॡ वीडियो में संचार मंत्री फ्रेडी नान्येज भी बोलते दिख रहे हैं जो रोड्रिग्ज का बचाव करते हैं। वह कहते हैं कि उनके (रोड्रिग्ज) खिलाफ चल रही अफवाहें बंद की जानी चाहिए। क्योंकि वे ही राष्ट्रपति और प्रथम महिला को वापस देश ला सकती हैं। एक्सपर्ट बोलीं- रोड्रिग्ज की बातें कहानी भी हो सकती हैं एक्सपर्ट मार्गरिटा लोपेज माया ने कहा कि हो सकता है रोड्रिग्ज खुद को सही साबित करने के लिए यह कहानी बना रही हों, क्योंकि सब जानते हैं कि मादुरो को हटाना अंदरूनी मदद के बिना संभव नहीं था। मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वेनेजुएला सरकार अमेरिका के खिलाफ बयान तो देती रही, लेकिन ट्रम्प की सभी मांगें मानती भी रही। मादुरो के बाद रोड्रिग्ज को राष्ट्रपति बनाया गया और ट्रम्प ने उनका समर्थन किया, बशर्ते अमेरिका को वेनेजुएला के तेल भंडार तक पहुंच दी जाए। इस हफ्ते ट्रम्प ने रोड्रिग्ज के नेतृत्व की तारीफ की और कहा कि वेनेजुएला के तेल से अमेरिका और अमीर होने वाला है।

कनाडाई पीएम बोले- लोग स्वदेशी सामान खरीदें

ट्रम्प की 100% टैरिफ धमकी के बाद कहा- हमारी अर्थव्यवस्था पर बाहरी खतरा

कनाडा: कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने ट्रम्प की टैरिफ धमकी के बाद देशवासियों से स्वदेशी सामान खरीदने की अपील की है। कार्नी ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि कनाडा की अर्थव्यवस्था पर इस वक्त बाहरी खतरा है, इसलिए जो हमारे नियंत्रण में है, उसी पर ध्यान देना होगा। कार्नी का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कनाडा को चीन के साथ व्यापार समझौते करने पर कड़ी चेतावनी दी है। ट्रम्प ने कहा कि अगर कनाडा ने चीन के साथ व्यापारिक रिश्ते बढ़ाए, तो अमेरिका कनाडाई सामान पर 100 फीसदी टैरिफ लगाएगा। ट्रम्प ने कनाडाई पीएम को गवर्नर कार्नी कहा ट्रम्प ने शनिवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कनाडाई प्रधानमंत्री को ॡगवर्नर कार्नीॡ कहा। उन्होंने लिखा कि अगर कार्नी कनाडा को चीन के लिए अमेरिका में सामान भेजने का ॡड्रॉप ऑफ पोर्टॡ बनाना चाहते हैं, तो यह गलतफहमी है। ट्रम्प ने आगे कहा कि चीन कनाडा के कारोबार, सामाजिक ढांचे और जीवनशैली को पूरी तरह नष्ट कर देगा। इससे पहले शुक्रवार को भी ट्रम्प ने कहा था कि चीन, कनाडा को एक साल के अंदर ही खा जाएगा। दरअसल, कनाडा के ढट मार्क कार्नी ट्रम्प के 'गोल्डन डोम' मिसाइल प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं। ट्रम्प इससे नाराज

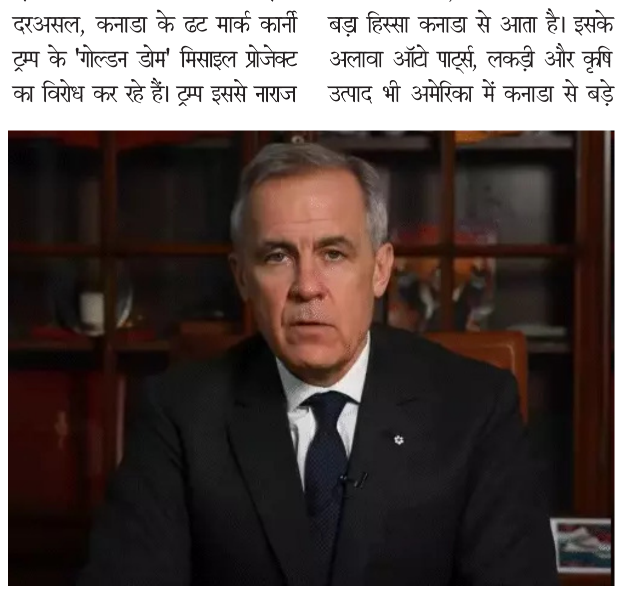

हो गए हैं। अमेरिका-कनाडा एक-दूसरे के सबसे बड़े ट्रेड पार्टनर अमेरिका और कनाडा दुनिया के उन गिने-चुने देशों में हैं, जो एक-दूसरे के सबसे बड़े ट्रेड पार्टनर हैं। अमेरिका की सरकारी ट्रेड बॉडी वरळफ के मुताबिक दोनों देशों के बीच हर दिन औसतन 2 अरब डॉलर से ज्यादा का व्यापार होता है। अमेरिका को मिलने वाला कच्चा तेल, गैस और बिजली का बड़ा हिस्सा कनाडा से आता है। इसके अलावा ऑटो पार्ट्स, लकड़ी और कृषि उत्पाद भी अमेरिका में कनाडा से बड़े पैमाने पर जाते हैं। कनाडा अपने कुल निर्यात का बड़ा हिस्सा अमेरिका को भेजता है। मशीनरी, टेक्नोलॉजी, दवाइयां और उपभोक्ता सामान के मामले में कनाडा अमेरिका पर काफी हद तक निर्भर है। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स से रिश्ते गहरे हुए अमेरिका और कनाडा बीच गहरे व्यापारिक रिश्तों की नींव 1989 में पड़ी, जब पहला फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हुआ। 1994 में ठअऋळअ लागू होने के बाद यह रिश्ता और मजबूत हुआ। इससे ऑटो, कृषि और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की सप्लाई चेन अमेरिका-कनाडा सीमा के आर-पार जुड़ गई। 2020 में ठअऋळअ की जगह वरटउअ लागू किया गया। इस समझौते के तहत ज्यादातर सामान बिना टैरिफ के आयात-निर्यात होता है और ट्रेड को ज्यादा नियमबद्ध बनाया गया। अमेरिका और कनाडा की कई फैक्ट्रियां एक ही प्रोडक्ट पर साथ-साथ काम करती हैं। उदाहरण के तौर पर एक कार का इंजन अमेरिका में बनता है, उसके पार्ट्स कनाडा में फिट होते हैं और फिर वह गाड़ी दोबारा अमेरिका लौटती है। ट्रम्प कनाडा और चीन के बीच समझौते से नाराज कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने 13 जनवरी से 17 जनवरी तक चीन की यात्रा की और वहां व्यापार समझौते किए। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प इससे नाराज बताए जा रहे हैं। करीब एक साल पहले कार्नी खुद चीन को कनाडा के सामने ॡसबसे बड़ा सुरक्षा खतराॡ बता चुके थे, लेकिन एक साल बाद हालात बदल चुके हैं। चीन दौरे पर उन्होंने कई अहम करार किए हैं। इसमें कनाडा, चीन की इलेक्ट्रिक गाड़ियों (एश) पर लगाए गए टैरिफ को कम करेगा। कनाडा ने 2024 में अमेरिका के साथ मिलकर चीनी गाड़ियों पर 100% टैरिफ लगाया था। अब नए समझौते के तहत इस टैरिफ को घटाकर 6.1% किया जा रहा है। हालांकि यह हर साल 49 हजार इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर लागू होगा। 5 साल में इसे बढ़ाकर 70 हजार तक किया जा सकता है। इसके बदले में चीन, कनाडा के कुछ अहम कृषि उत्पादों पर लगाए गए जवाबी टैरिफ को घटाएगा। पहले यह टैरिफ 84% तक था, जिसे अब घटाकर 15% कर दिया गया है। साल के अंत तक इसे जीरो किया जा सकता है। कार्नी के भाषण से नाराज हुए ट्रम्प कनाडाई पीएम ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम पर ॡनए वर्ल्ड ऑर्डरॡ पर भाषण दिया था। इसे लंबे समय से किसी भी राजनेता के दिए गए सर्वश्रेष्ठ भाषणों में से एक बताया जा रहा है। कार्नी ने बड़े देशों के दबदबे के खिलाफ अपनी राय रखी। उन्होंने कहा- हमें बार-बार याद दिलाया जाता है कि आज की दुनिया बड़ी ताकतों की आपसी होड़ का दौर है। जो नियमों पर चलने वाली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था थी, वह अब कमजोर पड़ रही है। ताकतवर देश वही करते हैं जो वे करना चाहते हैं, और छोटे या कमजोर देशों को उसे झेलना पड़ता है। कार्नी आगे कहते हैं कि नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की जो कहानी सुनाई जाती रही है, वह पूरी तरह सच नहीं थी। जब बड़े देशों को फायदा होता है, तो वे खुद के लिए नियमों से छूट ले लेते हैं। व्यापार के नियम सब पर बराबर लागू नहीं होते। वे कहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय कानून भी सख्ती से इस बात पर निर्भर करता है कि मामले में आरोपी कौन है और पीड़ित कौन। उन्होंने कहा कि महाशक्तियां अकेले चलने का जोखिम उठा सकती हैं। उनके पास बड़ा बाजार होता है, मजबूत सेना होती है और शर्तें तय करने की ताकत भी होती है। लेकिन कमजोर देशों के पास ये चीजें नहीं होतीं। जब ऐसे देश किसी बहुत ताकतवर देश से आमने-सामने बातचीत करते हैं, तो वे कमजोर स्थिति में होते हैं। इसलिए उन्हें वही मानना पड़ता है, जो सामने वाला देश देने को तैयार होता है।

लूट की झूठी कहानी का भंडाफोड़,16.90 लाख के कर्ज में डूबे स्वर्णकार ने खुद रची साजिश

बस्ती,। जिले के छावनी थाना क्षेत्र में लूट की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। हालांकि, गहन जांच और वैज्ञानिक पूछताछ के बाद पुलिस ने इस मामले का पदार्फाश करते हुए बताया कि यह सूचना फर्जी थी। कथित पीड़ित ने ही लूट की झूठी कहानी गढ़ी थी। 24 जनवरी 2026 को छावनी थाना क्षेत्र के ग्राम रेडवल निवासी शिवकुमार सोनी (35) ने डायल 112 पर सूचना दी थी। उसने बताया था कि परसा जोत गांव के पास अपाचे बाइक सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने उसे धक्का देकर जेवरात से भरा बैग लूट लिया। सूचना मिलते ही छावनी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर उच्चाधिकारियों को जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकांत और क्षेत्राधिकारी हरैया के साथ घटनास्थल का दौरा किया। लूट का जल्द खुलासा करने के लिए छावनी पुलिस, एसओजी, सर्विलांस और स्वाट टीम की चार विशेष टीमें गठित की गईं। गठित टीमों ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले, घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया और शिवकुमार सोनी से पूछताछ की। आखिरकार, शिवकुमार ने अपनी गलती स्वीकार कर ली। उसने पुलिस को बताया कि वह स्वर्णकारों से उधार जेवर लेकर गांवों में बेचता था और उस पर लगभग 16.90 लाख रुपये का कर्ज हो गया था। शिवकुमार ने बताया कि पिता की मृत्यु के बाद मां, पत्नी और बच्चों की बीमारी के कारण उस पर आर्थिक दबाव बढ़ गया था। इसी दबाव के चलते उसने लूट की झूठी कहानी बनाई। पुलिस ने उसकी दुकान से वह पूरा बैग बरामद कर लिया, जिसमें 6 अंगूठी, 4 चेन, 6 माला, 5 जोड़ी पायल, 110 बिछिया, 2 कड़ा और 6 कुंडा (सफेद व पीली धातु) शामिल थे। पुलिस ने बताया कि इस मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था पूरी तरह सामान्य बनी हुई है।

अमेरिका के 18 राज्यों में बर्फीले तूफान का खतरा

अमेरिका: अमेरिका में बर्फीला तूफान तेज हो गया है। 18 राज्यों में इमरजेंसी ने घोषित कर दी गई है। वहीं दो दिनों में 14000 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हो चुकी हैं। नेशनल वेदर सर्विस (ठहर) के मुताबिक, 20 करोड़ यानी करीब दो-तिहाई अमेरिकी इस तूफान की चपेट में आ सकते हैं। तूफान के डर से लोग ग्रॉसरी स्टोर पर जमा हो रहे हैं। कई दुकानों में पानी, अंडे, मक्खन और मीट की कमी हो गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तूफान के साथ भारी बर्फबारी, बारिश और ठंड आएगी, जिससे हालात बेहद खतरनाक हो सकते हैं। ट्रांसपोर्टेशन अधिकारियों ने वीकेंड पर यात्रा में देरी और कैंसिलेशन की चेतावनी दी है। कई बड़े शहरों के एयरपोर्ट भी इससे प्रभावित हुए हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के अनुसार, शनिवार से सोमवार तक 14,800 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुई हैं। अमेरिकन एयरलाइन्स की 43% और डेल्टा एयरलाइन्स की 35% उड़ानें रद्द हैं। शनिवार को 4,000 और सोमवार को 1,600 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। अमेरिका के कई इलाकों में 10 से 14 इंच तक बर्फबारी होने का अनुमान मौसम विभाग के मुताबिक यह तूफान अमेरिका के हाई प्लेन्स से शुरू होकर धीरे-धीरे पूर्व की ओर बढ़ेगा। इसके असर से मेम्फिस, नैशविल, वॉशिंगटन डीसी, बाल्टीमोर, फिलाडेल्फिया और न्यूयॉर्क जैसे बड़े शहरों में बर्फबारी होगी। सदर्न रॉकीज और प्लेन्स से लेकर मिड-अटलांटिक होते हुए नॉर्थ-ईस्ट तक भारी बर्फ गिरने का अनुमान है। ठहर के अनुसार, कोलोराडो से लेकर वेस्ट वर्जीनिया और बोस्टन तक कई इलाकों में 12 इंट से ज्यादा बर्फ पड़ सकती है। न्यूयॉर्क शहर के आसपास के कुछ हिस्सों में रविवार सुबह से सोमवार तक 10 से 14 इंच बर्फबारी हो सकती है और 30 मील प्रति घंटे की हवाएं चल सकती हैं। दक्षिण-पूर्वी अमेरिका के बड़े हिस्से में भी जमने वाली ठंड होगी।

यूरोप की सबसे ताकतवर फ्रांस-जर्मनी की जोड़ी टूटने के करीब

फ्रांस: द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से जर्मनी और फ्रांस यूरोप की सबसे ताकतवर जोड़ी मानी जाती रही है। लेकिन अब इसमें दरार आने लगी है। यूरो न्यूज

के मुताबिक जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज अब इटली की दक्षिणपंथी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ दोस्ती बढ़ा रहे हैं। मर्ज ने इसका इशारा दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मंच से ही कर दिया था। उन्होंने कहा कि 23 जनवरी को रोम में होने वाली इटली-जर्मनी समिट में वह और मेलोनी मिलकर यूरोपीय यूनियन को बेहतर और अलग तरीके से चलाने के लिए कुछ नए सुझाव सामने रखेंगे। अमेरिकी वेबसाइट द पॉलिटिको के मुताबिक मर्ज-मेलोनी दोनों ही दक्षिणपंथी सोच वाले हैं, अमेरिका के साथ रिश्तों को जरूरी मानते हैं और ट्रम्प के साथ टकराव से बचना चाहते हैं। इसके अलावा दोनों की फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से कुछ न कुछ नाराजगी भी है। यही वजह है कि पहले जर्मनी यूरोपीय नीति तय करने के लिए फ्रांस की ओर देखता था। लेकिन अब व्यापार, उद्योग और अमेरिका से रिश्तों जैसे मुद्दों पर आगे बढ़ने के लिए इटली के साथ खड़ा दिख रहा है। ट्रेड डील से फ्रांस-जर्मनी के बीच मनमुटाव बढ़ा रिपोर्ट के मुताबिक मर्ज का मेलोनी की ओर झुकाव आंशिक रूप से फ्रांस से नाराजगी की वजह से है। जर्मनी इस बात से खफा है कि फ्रांस ने दक्षिण अमेरिका के साथ होने वाले मकोर्सुर ट्रेड डील को कमजोर करने की कोशिश की। मकोर्सुर दक्षिण अमेरिका का एक क्षेत्रीय व्यापार समूह है। इसमें ब्राजील, अर्जेंटीना, उरुग्वे, पराग्वे जैसे देश शामिल हैं। यूरोपीय यूनियन (एव) इन देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) करना चाहता है। जर्मनी की इकोनॉमी निर्यात पर टिकी है। उसे इस समझौते में ज्यादा फायदा नजर आ रहा है। वहीं, फ्रांस इस समझौते का विरोध कर रहा है। फ्रांस में किसान बहुत बड़े राजनीतिक ताकत रखते हैं। किसान संगठनों को लगता है कि दक्षिण अमेरिका से सस्ता अनाज, डेयरी, बीफ के आयात से उनकी इंडस्ट्री तबाह हो जाएगी। मैक्रों सरकार को किसानों के नाराज होने का डर है।

अमेरिकी अधिकारी ने मिनियापोलिस में एक और व्यक्ति को गोली मारी; गवर्नर बोले- ट्रम्प कार्रवाई बंद करें

अमेरिका : अमेरिका के मिनेसोटा राज्य के मिनियापोलिस शहर में शनिवार को इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (ICE) के एजेंट ने एक व्यक्ति को गोली मारी, जिससे उसकी मौत हो गई। अस्पताल रिकॉर्ड के अनुसार मृतक 37 साल का था। घटना के पूरे हालात अभी स्पष्ट नहीं हैं। मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि घटना के बाद उन्होंने व्हाइट हाउस से संपर्क किया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से राज्य में चल रहे इमिग्रेशन क्रैकडाउन को खत्म करने की अपील की है। इस तरह की कार्रवाई से हालात और तनावपूर्ण हो रहे हैं। होमलैंड सिक्योरिटी की प्रवक्ता ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने बताया कि मृतक के पास एक फायरआर्म और दो मैगजजीन थीं। मिनियापोलिस पुलिस ने कहा कि व्यक्ति वैध हथियार धारक था और उसके पास परमिट था। घटना के बाद इलाके में बड़ी संख्या में लोग जमा हुए और फेडरल अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने उन्हें शहर छोड़ने को कहा। सुरक्षा कारणों से चौराहों को बंद कर दिया गया और बॉर्डर पेट्रोल एजेंट तैनात किए गए। इससे पहले 7 जनवरी को ICE के एक अन्य एजेंट ने कार सवार 37 वर्षीय महिला को गोली मारी थी। वह तीन बच्चों की मां थीं। तब से ट्विन सिटीज में इमिग्रेशन कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन जारी हैं। बांग्लादेश के नरसिंदी जिले में एक और हिंदू युवक की जिंदा जलाकर हत्या का मामला सामने आया है। 23 साल के चंचल चंद्र भौमिक का जला हुआ शव शुक्रवार रात एक दुकान के अंदर मिला। परिवार ने इसे सुनियोजित हत्या बताया है। घटना नरसिंदी शहर के पुलिस लाइंस से सटे मस्जिद मार्केट इलाके में हुई। चंचल जिस गैराज में काम करता था, उसी के अंदर उसका शव मिला। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। और CCTV फुटेज खंगाले जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना के वक्त चंचल गैराज के अंदर सो रहा था। रात के समय किसी ने बाहर से शटर पर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। आग तेजी से अंदर फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि चंचल आग में फंसा रहा और काफी देर तक तड़पता रहा। बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं होने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। लोगों ने घटना को बेहद दिल दहला देने वाला बताया। घटना की सूचना मिलने पर नरसिंदी फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग बुझाने के बाद चंचल का पूरी तरह जला हुआ शव दुकान के अंदर से बरामद हुआ। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें एक व्यक्ति दुकान के बाहर से आग लगाकर मौके से भागता हुआ दिखाई देता है। हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। चंचल के पिता खोकन चंद्र भौमिक का पहले ही निधन हो चुका है। उसकी मां प्रमिता रानी भौमिक पूरी तरह उसके सहारे थीं। चंचल अपने बीमार मां, दिव्यांग बड़े भाई और छोटे भाई की जिम्मेदारी संभाल रहा था। वह परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। ईरान के मानवाधिकारों की स्थिति पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (UNHRC) की 39वीं विशेष बैठक में भारत ने ईरान के समर्थन में वोट दिया और प्रस्ताव का विरोध किया। प्रस्ताव में ईरान में मानवाधिकारों की बिगड़ती स्थिति पर निगरानी की मांग की गई थी। भारत ने इसे राजनीतिक रूप से प्रेरित और पक्षपाती करार देते हुए अस्वीकार किया। इस प्रस्ताव को 25 देशों ने समर्थन दिया, सात ने विरोध और 14 ने इससे दूरी बनाए रखी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।